पेज 03 में...

अर्श से फर्श में आया सूदखोर वीरेन्द्र तोमर

साप्ताहिक

शहर सत्ता

PRGI NO. CTHIN/25/A2378

सोमवार, 10 नवंबर से 16 नवंबर 2025

हम दिखाएंगे आईना...

पेज 12 में...

सुपरक्रॉस बाइक रेसिंग का रोमांच रायपुर में

वर्ष : 01 अंक : 36 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए

www.shaharsatta.com

पेज 04 छत्तीसगढ़ में फिर रियायती बिजली !

भविष्य बनाने वाला बोला तेजाब से चेहरा कर दूंगा बदरंग

सुकांत राजपूत
मोबाईल नंबर 9827181979

तुम्हारी जिंदगी बर्बाद कर दुंगा, तुम खल्लास... तुम ने मेरे घर में सब कुछ बता दिया.. मैं तुम्हारे चेहरे पर तेजाब डालकर बर्बाद कर दूंगा... मैं तुम्हे मार सकता हूं लाश भी नहीं मिलेगी...लेकिन मैं ऐसा नहीं करूंगा बल्कि करवाऊंगा...साली, यह धमकी कोई फ़िल्मी खलनायक नहीं एक कोचिंग सेंटर में बच्चों का भविष्य सँवारने वाला शख्स दे रहा है। इस कथित वायरल ऑडियो और एसएसपी के संज्ञान में आई शिकायत आवेदन की चर्चा है। टैगोर नगर में संचालित कोचिंग सेंटर संचालक और टीचर अपनी एक छात्रा को दे रहा है। ऑनलाइन चाकू मंगाने वालों और फेसबुक में हथियार बंद तस्वीरें डालने वालों पर कार्रवाई के लिए तत्पर दिखने वाली पुलिस ऐसे गंभीर मामले पर महीनों बाद भी किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंची है।

ऑडियो में तेजाब से चेहरा बिगाड़ने, क़त्ल करवाने की धमकी

कोचिंग संस्थान की आड़ में शिक्षक की गुंडागर्दी उजागर

छात्रों से आपत्तिजनक हरकत और मारपीट का लगा आरोप

छात्रा को धमकी देने वालों पर थाना पुलिस मेहरबान, जांच धीमी

शहर सत्ता/रायपुर। टैगोर नगर क्षेत्र में स्थित आर.एम.पी./आर.सी.सी. जैसी कोचिंग संस्थानों तथा वहाँ चल रही अनुचित गतिविधियों की पुख्ता शिकायतों के बाद भी कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपी टीचर के खिलाफ सिर्फ शांति भंग की धारा लगाकर मामले का पटाक्षेप कर दिया है। इसके बाद निष्पक्ष जांच के लिए एसएसपी रायपुर डॉ लाल उमेद सिंह को आवेदन के बाद पुरे मामले की जांच पुलिस की रायपुर क्राइम ब्रांच पड़ताल में जुट गई है। जबकि देर रात तक कोचिंग सेंटर खोलने, एक छात्रा से सरेराह मारपीट करने और शोषण की शिकायत करने के चलते करियर के साथ तेजाब से चेहरा बिगाड़ देने के साथ ही क़त्ल करवाने की धमकी वाला एक कथित ऑडियो भी चर्चा में हैं। शिकायत के बाद स्थानीय पार्षद और रहवासियों ने उक्त कोचिंग संस्थान तथा उसके दो शिक्षकों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाया है।

जानकारी के मुताबिक 22 सितम्बर 2025 की रात को एक छात्रा के साथ टीचर द्वारा मारपीट, गुंडागर्दी की गंभीर घटना घटित हुई। उक्त घटना में कोचिंग संस्थान के एक शिक्षक द्वारा सड़क पर ही एक छात्रा के साथ मारपीट की गई। तत्संबंध में स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि कोचिंग की एक छात्रा ने आपत्तिजनक हरकत करने की शिकायत संस्थान के एक शिक्षक की पत्नी से किया था। इस बात को लेकर ही देर रात तक संचालित होने वाली कोचिंग सेंटर और इसके टीचर की हरकतें स्थानीय रहवासियों की जानकारी में आई।

पूरे मामले को लेकर जब वार्ड संख्या 58 पंकज विक्रम वार्ड की पार्षद श्रीमती स्वप्रिल मिश्रा के पास मामला गया तो पुलिस में शिकायत की गई। हालांकि थाना कोतवाली में किसी छात्रा या उनके परिजनों की ओर से अब तक कोई शिकायत नहीं की गई है। लेकिन पुलिस की कार्रवाई और मामूली धारा लगाकर भविष्य की गंभीर घटनाओं के लिए पार्षद ने अपनी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा पुलिस अगर काउंसलिंग करे तो छात्राएं खुलकर बोलेंगी।

गंभीरता से जांच होगी तो खुलेंगे कई राज

यह घटना टैगोर नगर के लगातार बिगड़ते वातावरण को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। पुलिस और प्रशासन इस मामले में गंभीरता से जांच करे तो कई गंभीर राज खुलेंगे। इन कोचिंग संस्थानों के बेलगाम संचालन के कारण देर रात तक छात्र–छात्राएँ सड़कों पर विचरण करते रहते हैं। जिससे स्थानीय निवासियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से पार्किंग की समस्या और अन्य सामाजिक अव्यवस्थाएँ दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। ऐसी स्थिति पर रोक लगाने तथा टैगोर नगर में अनुशासन और शांति बनाए रखने के लिए टैगोर नगरवासियों से सहयोग और समर्थन की अपेक्षा करते हैं।

लोक-लाज और धमकी से खौफ में है परिवार

सूत्रों के मुताबिक कोचिंग सेंटर संचालक/टीचर द्वारा कथित तौर पर पढ़ने वाली नाबालिग छात्रा का शोषण, मारपीट और तेजाब से चेहरा बिगाड़ने फिर हत्या करवाने की धमकी से पहले नाबालिग को ख़ौफ़ज़दा किया गया। वहीँ फारेस्ट डिपार्टमेंट के रिसर्च ब्रांच में कार्यरत पिता भी लोक-लाज के डर से सामने नहीं आ रहे हैं। पुलिस के जांच अधिकारीयों का कहना है कि पड़ताल जारी है।

“

*हम शिकायत पर जांच कर रहे हैं। जल्द ही कथित ऑडियो की जांच और संदिग्ध का बयान तस्दीक करेंगे। पीड़ित पक्ष अगर सामने आकर शिकायत करता तो जांच आसान हो जाती। पुरे मामले को पुलिस गंभीरता से ले रही है और पड़ताल जारी है। - **संजय सिंह, डीएसपी क्राइम रायपुर***

कथित वायरल आडियो में नाबालिग छात्रा को जान से मारने की धमकी

ऑडियो सुनने के लिए QR स्कैन करें

टीचर - मेरे को पहले ही कह देते तुम, अगर एक गलती करोगे तो ट्रिगर, तुम्हारे जीवन का आखिरी मौका है इसके बाद तुम्हें कभी मौका नही मिलेगा मैं कभी सोचा नहीं था तुम मुझे भेजा न स्क्रीन शॉट मैं सोचा नही तुम जा सकती हो इतनी हिम्मत हो नही सकती क्योंकि वो जीवन की सबसे बड़ी गलती थी तुम यही खत्म हो चुकी हो मैं चाहुं न अभी यही पे मार के फेंक सकता हूं, लेकिन मैं नही करूंगा पता है क्या मैं करवाऊंगा तुम्हारी मौत खत्म इसका खामियाजा सिर्फ मौत है मौत मैं नही करूंगा क्योंकि मुझे जेल नही जाना लेकिन तुम्हारा चेहरे पे एसिड अटैक होगा और तुम्हारे साथ रेप होगा... ठीक है ...

छात्रा - सारी .. सारी ...

टीचर - साली बकवास कर रही है गलती करके...

छात्रा की चीखने की आवाज़ अति है कथित ऑडियो बंद हो जाता है..

रायपुर एसएसपी चुस्त मातहत सुस्त

मामले में पहले कोतवाली थाना पुलिस ने उदासीनता बरतते हुए कोचिंग की आड़ में शर्मनाक हरकत करने वाले संस्थान संचालकों पर गंभीर कार्रवाई करने के बदले प्रतिबंधात्मक धारा लगा कर मामले की इतिश्री ककिया। एसएसपी से शिकायत के बाद जांच का जिम्मा रायपुर क्राइम ब्रांच को दिया गया है। पहले ही बहुत सारे मामलों में उलझी क्राइम ब्रांच इस मामले में फ़िलहाल कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। डीएसपी क्राइम ब्रांच संजय सिंह जल्द ही पीड़िता और कोचिंग सेंटर के अन्य बच्चों से काउंसलिंग करने, कथित वायरल ऑडियो की जांच करने के साथ ही संदिग्धों का बयान लेने की तैयारी में है।

विवाद के बाद टैगोर नगर से राजेंद्र नगर कोचिंग सेंटर शिफ्ट

जानकारी के मुताबिक तक़रीबन दो साल से टैगोर नगर में संचालित कोचिंग सेंटर के इस गंभीर मामले के बाद आनन-फानन में कोचिंग सेंटर संचालकों ने संस्थान को राजेंद्र नगर में शिफ्ट कर दिया है। वहीं कोतवाली पुलिस ने इस गंभीर मामले में निष्पक्ष जांच करने के बजाए तेजाब फेंक कर चेहरा ख़राब करने और सुपारी किलिंग की धमकी देने वाले पर प्रतिबंधात्मक धारा लगाकर अपराध का पटाक्षेप कर दिया। पुनः एसएसपी रायपुर को जब शिकायत आवेदन और कथित वायरल ऑडियो मिला तब जांच का जिम्मा क्राइम ब्रांच के काबिल अफसरों को सौंपा गया है।

वार्ड पार्षद की अपील

टैगोर नगर क्षेत्र में स्थित आर.एम.पी./आर.सी.सी. जैसी कोचिंग संस्थानों तथा वहाँ चल रही अनुचित गतिविधियों के कारण 22 सितम्बर 2025 की रात्रि में एक गंभीर घटना घटित हुई। उक्त घटना में कोचिंग संस्थान के एक शिक्षक द्वारा सड़क पर ही एक छात्राएँ के साथ मारपीट की गई। यह घटना टैगोर नगर के लगातार बिगड़ते वातावरण को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

इन कोचिंग संस्थानों के बेलगाम संचालन के कारण देर रात तक छात्र-छात्राएँ सड़कों पर विचरण करते रहते हैं, जिससे स्थानीय निवासियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से पार्किंग की समस्या और अन्य सामाजिक अव्यवस्थाएँ दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं।

ऐसी स्थिति पर रोक लगाने तथा टैगोर नगर में अनुशासन और शांति बनाए रखने के लिए पार्षद श्रीमती स्वप्निल मिश्रा सभी टैगोर नगरवासियों से सहयोग और समर्थन की अपेक्षा करते हैं।

धन्यवाद्।

पार्षद श्रीमती स्वप्निल मिश्रा
58 श. पंकज विक्रम वार्ड

वायरल ऑडियो सहीं निकला तो लगेगी यह धारा

बीएनएस की धरा के तहत शिक्षक पर धारा 351, 124, 65, 66, 138 के अंतर्गत गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। पॉस्को एक्ट 2012 के तहत नाबालिग छात्रा को प्रताड़ित करने के अपराध में आरोपी पर धारा 9, 10, 11 और 12 के अंतर्गत भी दोषी माना जायेगा। दोनों ही क़ानूनी धाराओं में कथित वायरल ऑडियो और पीड़िता की काउंसलिंग के बाद सत्यता पाई गई तो अलग अलग सजा का प्रावधान है। इस मामले में एसएसपी रायपुर डॉ लाल उमेद सिंह ने प्राप्त शिकायत पर जांच का आदेश दिया है।

सुलगते सवाल

- थाना पुलिस ने पहले क्यों की प्रतिबंधात्मक धारा पर कार्रवाई
- धमकी भरे वायरल कथित ऑडियो की क्यों नहीं की गई जांच
- ऑडियो में आरोपी और पीड़िता का बयान भी अब तक दर्ज नहीं
- दोनों का मोबाइल और वाट्सअप चैटिंग की जांच भी नहीं की गई
- जितने जोर-शोर से वार्ड मेंबर ने मामला उठाया अब अचानक मौन हो गई
- एसएसपी ने जांच का जिम्मा क्राइम ब्रांच को सौंपा जांच फिर भी धीमी
- पुलिस दो महीने बाद भी बयान, नाबालिग अन्य छात्रों की काउंसलिंग क्यों नहीं की

चंद माह में अर्श से फ़र्श में आया सूदखोर वीरेंद्र तोमर

- **महंगी गाड़ियां, कपड़े और आलीशान बंगले से चड्डी-बनियान तक पहुंचा हिस्ट्रीशीटर रूबी तोमर**

शहर सत्ता/रायपुर। हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र तोमर को पुलिस ने 5 महीने बाद ग्वालियर से गिरफ्तार कर रायपुर लेकर पहुंची। महज 5 महीने पहले आलीशान बंगले में रहने वाला, महँगी गाड़ियां, कपड़े और गोल्ड जूलरी से लाडे रहने वाला रूबी उर्फ़ सूदखोर वीरेंद्र तोमर पुलिस कस्टडी में चड्डी-बनियान में फटेहाल दिखा। फ़िलहाल अपराध और उसके धंधों में बराबर का सहयोगी उसका छोटा भाई रोहित अब भी फरार है। दोनों भाइयों पर 16 से ज्यादा केस दर्ज हैं। रोहित तोमर की तलाश में टीम जुटी हुई है।

जानकारी के मुताबिक सूदखोरी, रंगदारी और अवैध हथियार रखने के केस में फरार चल रहे हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र सिंह तोमर को रायपुर पुलिस ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर से पकड़ा है। वीरेंद्र तोमर बीते 5 महीनों से पुलिस को चकमा दे रहा था। क्राइम ब्रांच और पुरानी बस्ती पुलिस वीरेंद्र तोमर को रायपुर लेकर आई है। एसीसीयू के ऑफिस में अफसर वीरेंद्र तोमर से पूछताछ कर रहे हैं। वीरेंद्र का भाई रोहित तोमर अब भी फरार है।

पुलिस के मुताबिक रूबी अपने छोटे भाई रोहित तोमर और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर सूदखोरी का काम करता है। आरोपी कर्जदारों से मूलधन से ज्यादा ब्याज वसूलते और पैसे नहीं देने पर मारपीट करते। वीरेंद्र सिंह तोमर पर पहला मामला 2006 में दर्ज हुआ था। पुलिस ने इसे आदतन अपराधियों की लिस्ट में डाला है। वीरेंद्र के खिलाफ 6 से ज्यादा अलग-अलग थानों में केस दर्ज है। इनमें मारपीट, उगाही, चाकूबाजी, ब्लैकमेलिंग और आर्म्स एक्ट के केस शामिल है।

रूबी उर्फ़ वीरेंद्र तोमर पर दर्ज अपराध

- 2006: आजाद चौक थाने में कारोबारी पर चाकू से हमला।
- 2010: गुढ़ियारी में व्यापारी से पैसों को लेकर मारपीट।
- 2013: हत्या का केस दर्ज।
- 2016: मारपीट का मामला।
- 2017: महिला को धमकाया।
- 2019: पुरानी बस्ती थाने में धोखाधड़ी और कूटरचना का केस।
- 2019: हलवाई लाइन के व्यापारी ने ब्लैकमेलिंग की शिकायत की।

छोटे तोमर पर दर्ज प्रकरण

- 2015: महिला ने अप्राकृतिक कृत्य की रिपोर्ट दर्ज कराई।
- 2016: युवक ने पुरानी बस्ती में मारपीट का केस दर्ज कराया।
- 2017: भाठागांव की महिला ने मारपीट, धमकी की रिपोर्ट की।
- 2018: भाठागांव की महिला ने ब्लैकमेलिंग की शिकायत की।
- 2019: कोतवाली थाने में महिला ने सूदखोरी और ब्लैकमेलिंग का केस दर्ज कराया।

अंडा और गुपचुप ठेले, ऑटो से सूदखोरी तक का सफर

रूबी उर्फ़ वीरेंद्र तोमर पहले अंडा ठेला लगता था। इसके बाद गुपचुप का ठेला लगाना शुरू किया। पैसे इकट्ठा कर एक ऑटो लिया। दूसरा ऑटो लिया। कई साल तक ऑटो चलाया। ऑटो बेचकर कार खरीदी। इसे टैक्सी के तौर पर चलाया। गांव की जमीन बेचकर घर बनाया। प्रॉपर्टी के धंधे से पैसा बनाया फिर सूदखोरी में उतरा।

पुलिस ने निकला जुलुस बदहवास हुआ रूबी

रायपुर पुलिस ने सूदखोरी, रंगदारी और अवैध हथियार रखने के मामले में गिरफ्तार हिस्ट्रीशीटर वीरेंद्र सिंह तोमर का जुलूस निकाला। इस दौरान वीरेंद्र तोमर बेहोश हो गया। लंगड़ाते हुए चल रहा था। बनियान फटी हुई थी। क्राइम ब्रांच और पुरानी बस्ती पुलिस ने 5 महीने बाद MP के ग्वालियर से पकड़ा है।

दुर्ग रेलवे स्टेशन में पकड़ाया फरार बांग्लादेशी घुसपैठिया

शहर सत्ता/दुर्ग/रायपुर। जीआरपी दुर्ग की टीम ने शुक्रवार रात फरार बांग्लादेशी को कुर्ला-शालीमार एक्सप्रेस ट्रेन से दबोच लिया। आरोपी घुसपैठिया बताया गया है, जो मुंबई पुलिस को चकमा देकर कस्टडी से भाग गया था। मुंबई की ठाणे पुलिस से सूचना मिलने पर दुर्ग जीआरपी ने सर्चिंग के दौरान यह कार्रवाई की।

- **5 हजार में बॉर्डर पार कर पहुंचा था मुंबई**

जीआरपी चौकी प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी आजमिन शेख के पास वैध दस्तावेज (पासपोर्ट और वीजा) न होने के कारण मुंबई की ठाणे पुलिस ने उसे 8 महीने पहले गिरफ्तार कर जेल भेजा था। करीब 6 महीने 4 दिन जेल में रहने पर आरोपी की सजा पूरी होने के बाद उसके समेत अन्य बांग्लादेशियों को डिपोर्ट करने की तैयारी चल रही थी। इस बीच पुलिस को चकमा देकर युवक भाग निकला। 7 नवंबर को मुंबई पुलिस से इस बारे में सूचना दी। यह भी बताया कि उसके पास भारत आने के लिए वैध दस्तावेज नहीं थे। उसके खिलाफ मुंबई ठाणे में केस दर्ज है। इस सूचना पर हमने सर्चिंग की। आजमिन शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस से बंगाल जा रहा था। वह एस-1 कोच में मिल गया। गिरफ्तारी की सूचना के बाद छत्तीसगढ़ पहुंची मुंबई पुलिस आरोपी को साथ लेकर लौट गई।

पूछताछ में आजमिन ने बताया कि 11 महीने पहले शौफक नाम के व्यक्ति को 5 हजार रुपए देकर अवैध रूप से भारत में घुसपैठ की थी। बॉर्डर पर तैनात भारतीय सुरक्षाकर्मी से भी उसने मदद ली थी। मुंबई में शाकिब नामक व्यक्ति ने 5 हजार रुपए में उसे शेल्टर दिया। अब शाकिब मुंबई से बैंगलुरु शिफ्ट हो गया है। भारत में घुसपैठ के दौरान सबसे पहले वह बंगाल के सिलिगुड़ी पहुंचा, जहां से ट्रेन से हावड़ा और वहां से सीधे मुंबई चला गया।

सुकमा-दंतेवाड़ा सीमा पर IED ब्लास्ट में CRPF जवान घायल

शहर सत्ता/सुकमा/रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों ने एक बार फिर सुरक्षाबलों को निशाना बनाया है। रविवार दोपहर लगभग 1:45 बजे गोगुंडा के जंगल पहाड़ी इलाके में नक्सलियों के लगाए गए I E D (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) की चपेट में आने से CRPF की 74वीं बटालियन का एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना फूलबगड़ी थाना क्षेत्र की है। घटना उस वक्त हुई, जब सुरक्षा बल इलाके में एरिया डॉमिनेशन ड्यूटी पर निकले थे। बताया जा रहा है कि जवान फिरोज खान जैसे ही पगडंडी से आगे बढ़ा, अचानक जमीन के नीचे दबे प्रेशर IED पर पैर पड़ गया, जिससे जोरदार धमाका हुआ। घटना के बाद घायल जवान को तत्काल साथी जवानों ने सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और पास के अस्पताल में इलाज के लिए भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद घायल जवान को तत्काल हेलिकॉप्टर से एयर लिफ्ट कर रायपुर भेजा गया। आसपास के क्षेत्र में अतिरिक्त बल तैनात कर सर्चिंग अभियान को और तेज कर दिया गया है।

सर्चिंग पर थे जवान, ब्लास्ट के बाद घायल को एयरलिफ्ट कर भेजा गया रायपुर

पत्नी की मौत से दुखी ASI ने घर घुसकर महिला को पीटा

शहर सत्ता/जशपुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। रायपुर में पदस्थ एएसआई ने जशपुर में एक महिला के घर घुसकर बेरहमी से पिटाई कर दी। एएसआई अपने परिजनों के साथ तड़के सुबह महिला के घर पहुंचा और अपनी पत्नी की मौत के लिए उसे जिम्मेदार ठहराते हुये बेरहमी से पिटाई कर दिया। इतना ही नहीं आरोपी ने टोनही का आरोप लगाते हुये महिला के बाल पकड़कर उसे घसीटते हुये बाहर निकाला था। महिला की शिकायत पर एएसआई समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार आगे की कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के मुताबिक पीड़िता फ़ौसी बाई निवासी ग्राम भिंजपुर थाना दुलदुला 8 नवम्बर को सुबह 4 बजे उठकर खाना बनाने चूल्हा जलाने की तैयारी कर रही थी, तभी उसके घर के बाहर कुछ लोग हल्ला गुल्ला कर उसे गंदी गालियां देने लगे।

नंगा कर सड़कों पर घुमाया फिर धारदार हथियार-पत्थर से मार डाला

शहर सत्ता/दुर्ग/रायपुर। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में शुक्रवार रात 8 से ज्यादा लोगों ने एक शख्स की धारदार हथियार और पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी। मृतक का नाम संतोष आचार्य (47) है, जो जमीन खरीदी बिक्री और ब्याज पर पैसे देने का काम करता था। पुलिस ने पैसों के लेनदेन और आपसी रंजिश में मर्डर की बात कही है। हमलावरों ने पहले गैस कटर से घर का लोहे का दरवाजा काटा फिर संतोष को बाहर निकाला। फिर उसके कपड़े उतारकर सड़कों पर नंगा करके घुमाया। इस दौरान उसे बुरी तरह पीटा। फिर बाजार ले जाकर धारदार हथियार और पत्थर से मारा। पारिवारिक विवाद में पत्नी 4 महीने पहले मायके चली गई थी। पत्नी ने कहा कि मैंने हत्या की आशंका जताई थी, लेकिन पुलिस ने ध्यान नहीं दिया। मुझे न्याय चाहिए।

साप्ताहिक शहर सत्ता

छत्तीसगढ़ में फिर रियायती बिजली !

सरकार 200 यूनिट तक 'बिजली बिल हाफ योजना' लागू करने पर कर रही विचार

- **पुरानी योजना बंद होने के बाद जनता में बढ़ा असंतोष, विरोध और आलोचना के बीच सरकार ने दिए नए संकेत**

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लाखों बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत की खबर है। राज्य सरकार ने संकेत दिए हैं कि वह जल्द ही 'बिजली बिल हाफ योजना' को दोबारा विस्तारित रूप में लागू कर सकती है। नई व्यवस्था के तहत अब 200 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को बिल में आधी छूट देने पर विचार चल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हाल ही में नवा रायपुर में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि सरकार जनता की परेशानी से पूरी तरह वाकिफ है और "ऊर्जा उपभोग में संतुलन रखते हुए आम उपभोक्ताओं को राहत देना हमारी प्राथमिकता है।"

क्यों पड़ी दोबारा योजना लागू करने की जरूरत?

दरअसल, छत्तीसगढ़ में "बिजली बिल हाफ योजना" की शुरुआत पिछली सरकार के कार्यकाल में हुई थी। उस समय 200 यूनिट तक की बिजली खपत करने वाले घरेलू उपभोक्ताओं को बिल का 50 प्रतिशत तक भुगतान ही करना पड़ता था। यह योजना राज्य के लगभग 65 लाख उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत साबित हुई थी। लेकिन अगस्त 2024 में नई सरकार के गठन के बाद इस योजना की सीमा घटाकर 100 यूनिट कर दी गई। इस फैसले से मध्यम वर्गीय परिवार योजना के दायरे से बाहर हो गए। इसके बाद उपभोक्ताओं में भारी असंतोष देखने को मिला कई जिलों में बिजली बिलों में अचानक बढ़ोतरी हुई, ग्रामीण और अर्धशहरी उपभोक्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किए, और विपक्ष ने इसे "जनविरोधी निर्णय" बताते हुए सरकार पर आम जनता पर बोझ डालने का आरोप लगाया। विरोध की यह लहर लगातार बढ़ती रही, जिसके चलते अब सरकार को इस योजना पर पुनर्विचार करने की जरूरत महसूस हुई।

बिजली कंपनी को दिए गए निर्देश

ऊर्जा विभाग ने छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी (CSPDCL) को निर्देश दिया है कि वह 200 यूनिट तक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या, राजकोष पर पड़ने वाले वित्तीय भार, और राज्य के राजस्व पर प्रभाव का आकलन कर रिपोर्ट पेश करे। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि "नई नीति को लागू करने से पहले उपभोक्ताओं की औसत खपत, उनकी आय श्रेणी और भुगतान क्षमता का विस्तृत विश्लेषण किया जा रहा है। रिपोर्ट मिलने के बाद संशोधित अधिसूचना जारी की जा सकती है।"

राहत देना हमारी प्राथमिकता : सीएम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, "हमारी सरकार जनता की परेशानी से पूरी तरह अवगत है। किसी पर अतिरिक्त बोझ डालना हमारा उद्देश्य नहीं है। हम चाहते हैं कि जरूरतमंद और मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं को राहत मिले, जबकि ऊर्जा उपयोग में संतुलन भी बना रहे।" उन्होंने आगे कहा कि इस दिशा में सकारात्मक निर्णय जल्द लिया जाएगा।

विपक्ष का हमला और जनता की मांग

योजना में कटौती के बाद विपक्ष लगातार सरकार को घेरता रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि "भाजपा सरकार ने जनता की जेब पर सीधा वार किया है। पिछली सरकार की योजना ने लाखों परिवारों को राहत दी थी, पर नई नीति ने गरीब और मध्यम वर्ग पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया।" इधर जनता का कहना है कि 100 यूनिट की सीमा अव्यवहारिक है। एक छोटे परिवार की मासिक खपत औसतन 150 से 180 यूनिट तक होती है, जिससे वे योजना के दायरे से बाहर हो गए थे।

60 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं को फायदा

यदि सरकार 200 यूनिट तक की छूट फिर से लागू करती है, तो इसका सीधा लाभ लगभग 60 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को मिलेगा। इसमें छोटे शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों के वे परिवार शामिल होंगे, जिनकी बिजली खपत सीमित है पर बिल का असर उनके मासिक बजट पर पड़ता है। "बिजली बिल हाफ योजना" छत्तीसगढ़ में न सिर्फ एक आर्थिक राहत योजना रही है, बल्कि यह राजनीतिक रूप से भी जनता से जुड़ाव का प्रतीक बनी। विशेषज्ञों का मानना है कि चुनावी दृष्टि से यह निर्णय सरकार के लिए राजनीतिक रूप से फायदेमंद साबित हो सकता है, क्योंकि यह आम उपभोक्ता वर्ग को सीधे प्रभावित करता है।

'छत्तीसगढ़ की निर्भया' मामले में न्याय की कमी पर हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी

कहा – आरोपी को बरी करना दुर्भाग्यपूर्ण

- **ट्रायल कोर्ट के निर्णय को गलत ठहराया, शासन द्वारा अपील नहीं करने पर भी जताई नाराजगी**

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने राज्य के चर्चित "छत्तीसगढ़ की निर्भया" मामले में एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म और हत्या के गंभीर मामले में ट्रायल कोर्ट द्वारा आरोपी को बरी किया जाना "दुर्भाग्यपूर्ण" और "कानूनी त्रुटि" है। न्यायालय ने साथ ही यह भी कहा कि शासन की ओर से इस निर्णय के खिलाफ अपील नहीं किया जाना न्याय प्रणाली के लिए निराशाजनक है।

सबूतों के बावजूद हुई गंभीर गलती

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बीडी गुरु की खंडपीठ ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने उपलब्ध मेडिकल और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की गलत व्याख्या की है। कोर्ट के अनुसार, "रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि पीड़िता का अपहरण हुआ, उसके साथ बर्बर तरीके से यौन उत्पीड़न किया गया और फिर हत्या की गई। इसके बावजूद आरोपी को पाक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं से मुक्त कर देना न्याय के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।"

अपील न करने पर भी नाराज

हाई कोर्ट ने राज्य शासन की भूमिका पर भी सवाल उठाया। न्यायालय ने कहा कि इस प्रकार के जघन्य अपराध में जब पीड़िता नाबालिग हो और मेडिकल साक्ष्य स्पष्ट हों, तब शासन को स्वतः संज्ञान लेकर उच्च न्यायालय में अपील करनी चाहिए थी। "राज्य की अपील की अनुपस्थिति से अपराध की गंभीरता कम नहीं होती," कोर्ट ने कहा।

ट्रायल कोर्ट के निर्णय पर तीखी प्रतिक्रिया

न्यायालय ने कहा कि ट्रायल कोर्ट द्वारा आरोपी को केवल हत्या (धारा 302) और सबूत मिटाने (धारा 201) के लिए दोषी ठहराना, जबकि यौन उत्पीड़न के ठोस प्रमाण मौजूद थे, कानूनी समझ की गंभीर कमी को दर्शाता है। यह मामला जांजगीर-चांपा जिले के जैजैपुर थाना क्षेत्र का है। 28 फरवरी 2022 की रात नवीं कक्षा की छात्रा अपने घर में सो रही थी। रात में मां के जागने पर जब बेटी बिस्तर से गायब मिली, तो अगले दिन पिता ने थाने में अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई। तीन मार्च को लड़की का शव गांव के तालाब से बरामद हुआ। जांच में सामने आया कि आरोपी जवाहर नामक युवक, जो उसी क्षेत्र का निवासी था, इस अपराध में शामिल था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा।

अपराधियों को नहीं, न्याय को मिले प्राथमिकता

हाई कोर्ट ने इस प्रकरण को एक न्यायिक असंतुलन का उदाहरण बताते हुए कहा कि इस तरह के मामलों में न्यायिक संस्थाओं और शासन दोनों की जिम्मेदारी बनती है कि अपराध की गंभीरता के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में "तकनीकी त्रुटियों या प्रक्रियात्मक देरी" के चलते पीड़ितों को न्याय से वंचित नहीं होना चाहिए।

अवैध निर्माण तोड़ने से पहले अब होगी पूरी कानूनी प्रक्रिया

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने अवैध निर्माणों के खिलाफ की जाने वाली प्रशासनिक कार्रवाइयों को लेकर एक बड़ी और ऐतिहासिक पहल की है। अब किसी भी भवन या निर्माण को गिराने से पहले प्रशासन को पूरा कानूनी, पारदर्शी और रिकॉर्ड-आधारित प्रक्रिया अपनानी होगी। राज्य शासन ने इस संबंध में पुराने आदेशों में संशोधन करते हुए नए मानक संचालन नियम (SOP) जारी किए हैं। इस बदलाव का उद्देश्य है मनमानी कार्यवाही पर रोक लगाना और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना, साथ ही वास्तविक अवैध निर्माणों पर अधिक पारदर्शी और जवाबदेह कार्रवाई सुनिश्चित करना।

अब बिना सुनवाई नहीं गिरेगा कोई निर्माण

पहले नगरीय निकायों द्वारा बिना पर्याप्त जांच या नोटिस के ही कई बार कार्रवाई कर दी जाती थी। नई व्यवस्था में यह स्पष्ट किया गया है कि किसी भी संपत्ति को गिराने से पहले कारण बताओ नोटिस देना, जवाब प्राप्त करना, सुनवाई करना और सभी कार्यवाही का लिखित व डिजिटल रिकॉर्ड रखना अनिवार्य होगा।

नोटिस दोहरी विधि से डाक और दीवार पर

नए नियमों में नोटिस की प्रक्रिया को भी मजबूत किया गया है। अब नोटिस रजिस्टर्ड डाक से भेजना और उसकी प्रति भवन की दीवार पर चिपकाना अनिवार्य होगा, ताकि प्रभावित व्यक्ति यह दावा न कर सके कि उसे सूचना नहीं मिली।

अपील और आत्म-हटाने के लिए 15 दिन का समय

निर्माण अवैध पाए जाने पर आदेश जारी होने के बाद 15 दिनों तक प्रशासन कोई ध्वस्तीकरण कार्रवाई नहीं करेगा। इस अवधि में व्यक्ति अपील दाखिल कर सकता है या स्वयं निर्माण हटा सकता है। ऐसा न करने पर ही बुलडोजर कार्रवाई लागू होगी।

वीडियोग्राफी और जवाबदेही अब अनिवार्य

अब प्रत्येक ध्वस्तीकरण की वीडियो रिकॉर्डिंग जरूरी होगी। इसमें यह दर्ज होगा कि कौन अधिकारी, पुलिसकर्मी या कर्मचारी मौके पर मौजूद थे। यदि किसी अधिकारी ने बिना नियमों का पालन किए कार्रवाई की, तो क्षतिपूर्ति उसकी जेब से होगी और उस पर अभियोजन या अवमानना की कार्रवाई भी हो सकती है।

डिजिटल पोर्टल से बढ़ेगी पारदर्शिता

राज्य शासन ने पहली बार सभी नगर निगमों और नगर पंचायतों को डिजिटल ट्रैकिंग पोर्टल बनाने का निर्देश दिया है। इस पोर्टल पर प्रत्येक अवैध निर्माण से संबंधित फाइल, नोटिस, सुनवाई, आदेश और कार्रवाई की स्थिति सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रहेगी। जनता भी अब ऑनलाइन देख सकेगी कि किस निर्माण पर क्या कार्रवाई चल रही है।

नागरिक अधिकारों की सुरक्षा

इस नई व्यवस्था के माध्यम से शासन का उद्देश्य यह है कि कानूनी प्रक्रिया और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाया जा सके। जहाँ एक ओर अवैध निर्माणों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, वहीं निर्दोष लोगों को बिना सुने नुकसान न पहुँचे, यह सुनिश्चित किया गया है।

संपादकीय

• सुकांत राजपूत

भूत-भविष्य

सियासत हो या फिल्म इसके भूत डराते थे। पहले भूत डराते थे, लेकिन अब दोस्त से लगने लगे हैं। फ़िल्मी भूत अब हंसते भी हैं और हंसाते भी हैं। छत्तीसगढ़ के सियासी भूतों का कमोबेश यही आलम है। सियासी भूतों से तात्पर्य है अ-भूत-पूर्व नेताओं से। राज्योत्सव में भूत पूर्वों की तारीफ दिल से करके वो चले गए। लेकिन यह भी बोल गए कि अब सियासी भूतों के कंधों में प्रदेश का भविष्य टिका है। सवाल यह उठने लगा है कि भूत इतने अभूतपूर्व थे तो फिर उन्हें भविष्य सँवारने का एक और मौका क्यों नहीं दिया गया।

यही प्रश्न भूत-पूर्व दिग्गज भी पूछने बेक़रार हैं। लगातार बोलने वाला और सूबे का हमेशा चुप रहने वाला नेतृत्व आखिर क्यों कुछ नहीं बोल रहा? जब सामने वाला रुकने का नाम न ले रहा हो...इतना बातूनी हो कि आप आकंठ ऊब चुके हों, लेकिन मुंह खोलने का मौका तक न मिल पा रहा हो, तो थोड़ा सामान्य शिष्टाचार चुप रहने वालों का बेहतर विकल्प बन जाता है। प्रदेश भाजपा संगठन में ऐसे पीड़ित शिष्टाचारी इन्हीं विकल्पों के सहारे हैं। वैसे भी जब शब्द निराश करने लगे तब भी कहने को बहुत कुछ होता है। इस मौके को उन्हें नहीं चुकना चाहिए...बोल देना चाहिए।

अब बात करें ऐसे सियासी भूतों की तो फ़िल्मी भूतों की तुलना में हमें वो कभी वो डराने वाले, कभी दिलकश लगे। भूतपूर्व कार्यकाल में चुड़ैलों से भी साबका हुआ। उलटे पैर, लंबे खुले काले बाल डरावनी आंखें कप्तान से सियासी खिलाडी बनें भूत-पूर्व को भी याद हैं। इन सब हौलनाक विषयों में फ़िलहाल सुसंस्कृत-शालीन भूत-भूतनियां उम्मीद से हैं।

क्या हमारे बच्चे जानते हैं फांका कशी के मायने ?

एन. रघुरामन

क्या आपने "वॉर सैंडविच' के बारे में सुना है? अगर नहीं, तो उस क्लास में आपका स्वागत है, जिसे दुनिया के बीस लाख से ज्यादा छात्र अटेंड करते हैं। वह अपनी कुकिंग क्लास की शुरुआत आपको एक काला पड़ चुका गैस स्टोव दिखाकर करती है, जो दर्शाता है कि घर गरीबी से प्रभावित है। लेकिन उसकी खुले दिल वाली हंसी तमाम गरीबी को ढंक लेती है। उसके पास आटा नहीं है, इसलिए वह पिसे हुए बिस्किट का इस्तेमाल करती है।

आप सोच रहे होंगे कि जब आटा ही नहीं है, तो बिस्किट कहां से लाई होगी? ये बिस्किट युद्ध प्रभावित लोगों के लिए राहत दल द्वारा बांटे गए थे और वह किसी तरह अपने लिए कुछ जुटा पाई थी! यही वजह है कि वह शरमाते हुए मुस्कराती है और आपको बची-खुची सामग्री से परिचित कराती है। जब शकर खत्म हो जाती थी, तो वो सूखे मेवों में मिठास ढूंढ लेती थी। जब आप उसका वीडियो देखेंगे, तो यह किसी ऐसी दुनिया से एक संदेश पाने जैसा होगा, जिससे हममें से ज्यादातर लोग अनभिज्ञ हैं।

11 साल की यह बच्ची तबाही के बीच खुद को जीना और सपने देखना सिखा रही है। इंटरनेट पर जहां इंफ्लुएंसर्स बेदाग रसोई और बेहतरीन व्यंजनों के साथ छाए रहते हैं, वहीं गाजा की एक 11 साल की बच्ची ने अपने तरह के कुकिंग वीडियो पोस्ट करना शुरू किया। इन वीडियोज़ ने वाई-फाई स्पेस में तहलका मचा दिया। रेनाद अत्ताल्ला को दुनिया भर में लाखों लोग "रेनाद फ्रॉम गाजा' शीर्षक वाले वीडियोज़ के लिए जानते हैं। उसकी कहानियां 2023 में एक किचन से शुरू हुईं। एक वीडियो में उसने कहा, हमारे पास खाने के लिए सचमुच कुछ नहीं है!उसके वायरल वीडियोज़ में एक भयावह सच्चाई थी। मुस्कानें धीरे-धीरे थकान में बदल गईं। खुशमिजाज कैप्शन उदास होते चले गए।

अंत में, उसके कुकिंग वीडियो एक व्यापक क्षति का दस्तावेज बन गए, जिसने भूख और जीवित रहने की ललक को जन्म दिया था। यही वजह है कि उसके व्यंजनों में "वॉर सैंडविच' शामिल हैं, जो आम दुनिया के किसी रेस्तरां या किचन में कभी नहीं बनते। मई-जून 2025 में जब दो मिलियन से अधिक लोग उसके वीडियोज़ देखने लगे थे, अचानक वह एक वीडियो में नजर आई और बिना किसी संदर्भ के बस "अलविदा' कह दिया। ये शब्द उसकी झुकी आंखों वाली चुपचाप बैठी तस्वीरों के साथ दिखाई दिए। कुछ ही मिनटों में, यह जानने के लिए टिप्पणियां आने लगीं कि क्या वह सुरक्षित है?समाचार चैनलों ने उसकी कहानी को उठाया और बताया कि दुनिया उसके बारे में चिंतित है। इसके बावजूद वह हफ्तों तक चुप रही। फिर अचानक अक्टूबर 2025 में, वह तीन शब्दों- "एक नया अध्याय' के साथ फिर से नजर आई। बदलाव साफ थे। उसके चेहरे पर मुस्कान थी, वह एक चमकदार रसोई में घोल फेंट रही थी और उसके बालों पर आटे का चूरा लग गया था। इस वजह से वह खिलखिला रही थी। उसे एक मानवीय पुनर्वास कार्यक्रम के तहत यूरोप में सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया था और एक स्कूल में दाखिला दिलाया गया था। आज उसकी रसोई में उन सामग्रियों का भंडार है, जिनके होने का उसने कभी सपना देखा था।

कैप्शन में लिखा था, "जब आपके पास जरूरत की हर चीज मौजूद हो, तो खाना बनाने की बात ही और होती है। लेकिन मैं कभी नहीं भूलूंगी जब मेरे पास सब कुछ नहीं था, तो कैसा लगता था।' उसकी आवाज बता रही थी कि खाने की किल्लत के क्या मायने होते हैं। रेनाद का यूरोप जाना उसे सुरक्षा तो देता है, लेकिन उसकी चुनौतियां अभी खत्म नहीं हुई हैं। वह अभी भी विदेशी धरती पर एक शरणार्थी है, नई संस्कृति, जीवनशैली और भाषा को अपना रही है। उस नन्ही-सी बच्ची के लिए इस सदमे, नुकसान और अंततः विस्थापन को भुला पाना मुश्किल होगा। फिर भी वह अपने एक हालिया वीडियो में कहती है, "जब मैं खाना बनाती हूं तो मुझे लगता है कि मैं दुनिया का स्वाद थोड़ा बेहतर बना सकती हूं।' लेकिन साथ ही वो यह पंक्ति कहना कभी नहीं भूलती, "गाजा से प्यार के साथ। बच्चों को बच्चे ही रहने का हक है।' ये सरल और गहन पंक्तियां उसके विचारों को दर्शाती हैं।

कैसे मिलेगी धनबल और बाहुबल की सियासत से निजात ?

पवन के. वर्मा

हम भले ही दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र हों, लेकिन हमारे यहां राजनीति में अपराधियों की संख्या भी सबसे ज्यादा है। दमखम और जनादेश के इस गठजोड़ का कारण एक सिस्टम है। इस सिस्टम का आधार क्या है?पहला, अच्छी तरह से कार्यशील संस्थाओं के अभाव में ताकत, पैसा और प्रभाव रखने वाला कोई अपराधी भी सुरक्षा पाने और अपने बेईमानी भरे साम्राज्य को फैलाने के लिए राजनीतिक वैधता तलाशता है। दूसरा, दलों को चुनावी मुकाबलों और प्रचार के लिए भारी पैसा चाहिए।

ऐसे में वे 'साफ-सुथरे' के बजाय 'जिताऊ' उम्मीदवार चुनने में नहीं हिचकते। तीसरा, सिस्टम की विफलता के कारण वोटर भी अकसर ऐसे दबंगों को न केवल बर्दाश्त करते हैं, बल्कि उन्हें जनादेश से पुरस्कृत भी करते हैं। जो व्यक्ति स्थानीय पुलिस, न्याय-तंत्र, विकास कार्यों के ठेके नियंत्रित करता है, संरक्षण देने में सक्षम होता है, हफ्ता वसूलता है और अपने मातहतों को मनमाने मुनाफे दे सकता है, वो जनता को अकसर किसी ईमानदार प्रतिनिधि से अधिक प्रभावशाली लगता है। ऐसे में 'दबंग' नेता सिर्फ खलनायक ही नहीं होता, बल्कि विकल्पों के अकाल वाले सिस्टम में किसी आधुनिक रॉबिनहुड जैसी भूमिका निभाता है। एक चौथा कारण भी है, कानूनी और संस्थागत कमियां। सुस्त अदालतें, कमजोर मुकदमे, आसानी से मिल जाने वाली जमानतें, पुलिस पर राजनीतिक दबाव और जवाबदेही की कमी इस सांठगांठ को बनाए रखती है। यही सिस्टम राजनीति का अपराधीकरण करता है।

बाहुबलियों की मिसालें तो यत्र-तत्र-सर्वत्र हैं। बिहार में जेडीयू ने मोकामा से अनंत सिंह को उम्मीदवार बनाया, जो हाल ही हत्या के मामले में गिरफ्तार हुए हैं। कुख्यात हिस्ट्रीशीटर होने के बावजूद उन्हें टिकट दिया गया। उनके सामने सूरजभान सिंह की पत्नी हैं, जो हत्या के मामले में उम्रकैद काट रहे हैं। बीमारी के बावजूद खुद लालू प्रसाद जिसके लिए प्रचार पर निकले, वो रीतलाल यादव भी जाने-पहचाने दबंग हैं। अन्य चर्चित अपराधी नेताओं में मुन्ना शुक्ला, प्रदीप महतो और आनंद मोहन शामिल हैं। आनंद तो गोपालगंज के डीएम जी. कृष्णैया की हत्या का दुस्साहस तक कर चुके हैं। यूपी में माफिया मुख्तार अंसारी पर भी दर्जनों गंभीर मुकदमे दर्ज थे, लेकिन वे कई बार विधायक चुने गए। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के अनुसार लगभग 40% सांसदों ने खुद पर आपराधिक मामले होने की घोषणा की। इनमें से 25% मुकदमे हत्या, अपहरण, महिलाओं के प्रति अपराधों के हैं।

लोकतंत्र से यह कालिख मिटाने के लिए क्या किया जा सकता है? कानून को सुनिश्चित करना होगा कि अगर किसी उम्मीदवार के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले में आरोप तय हो जाएं तो उसे चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित किया जाए। मुकदमों की जल्द सुनवाई और दोषसिद्धि जरूरी है, लेकिन तब तक उम्मीदवारी के मानदंड ऊंचे होने चाहिए। गंभीर आरोपों वाले लोगों को टिकट नहीं दिया जाए। चुनाव प्रचार की फंडिंग में भी पारदर्शिता और सीमा जरूरी है। अपराधी राजनीति में इसलिए भी आते हैं कि वे बेनामी सम्पत्ति बना लेंगे। इसके अलावा, राजनीतिक अपराधों के लिए स्वतंत्र अभियोजन और फास्ट ट्रैक अदालतें जरूरी हैं। नागरिक संगठनों और मीडिया को जवाबदेही की मांग करनी चाहिए। मतदाताओं को भी समझना होगा कि बाहुबली भले कुछ समय का संरक्षण दे दें, लेकिन वे कानून और विकास, दोनों को कमजोर करेंगे। बेदाग उम्मीदवारों के लिए मतदाता जागरूकता जरूरी है। अंततः, चूंकि राजनीति का अपराधीकरण सामाजिक विषमता, जातिगत गोलबंदी, गरीबी और कमजोर संस्थाओं के आधार पर ही फलता-फूलता है, इसलिए समावेशी विकास और भरोसेमंद शासन ही धनबल और बाहुबल की सियासत को कमजोर कर सकता है। जब तक यह नहीं होता, अपराधी सफेद कुर्ते में अपने लिए आश्रय तलाशते रहेंगे। यह ऐसा दुष्चक्र है, जिसमें दल उम्मीदवार चुनते हैं, वोटर उन्हें निर्वाचित करते हैं, कानून लागू करने वाले उन्हें खुला घूमने देते हैं और समाज उन्हें बर्दाश्त करता रहता है। तब वसूली, अवैध फंडिंग, तस्करी, जमीन पर कब्जे और खनन माफिया- सब वैध हो जाते हैं। भारत ऐसा लोकतंत्र नहीं हो सकता है!

सिर्फ वोटर ही आज देश में अधिक नैतिकता भरा लोकतंत्र सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्हें एक स्वर में कहना चाहिए- बस, बहुत हुआ, हम बाहुबलियों और अपराधियों को वोट नहीं देंगे। देश आज इसी क्रांति का इंतजार कर रहा है।

सुशील भोले

कोंदा-भैरा के गोठ

-अभी के राजनीति म एक नवा चलन देखे म आवत हे जी भैरा.

-कइसन ढंग के चलन जी कोंदा?

-कुछ लोगन के टकर बइहाय कुकुर बरोबर अंते-तंते भूँके के होथे ते मनला बघवा गुर्रावत हे.. दहाड़त हे.. कहिके चना रूख म चढ़ाए के उदिम करे जाथे.

-ए ह तो राजनीति के सबले मयारुक खेल आय संगी.. जे मनखे ल अँधियार कुआँ म ढकेलना होथे तेला आनी-बानी के उपमा दे दे के ओकर मति ल भरमाए जाथे.. तब वो ह अपनआप ल कोनो महापुरुष ले कमती नइ समझय.. बस इही ह वोकर सबले बड़े करलई अउ पतन के कारण बनथे.

-अइसन तो सबो जगा होथे संगी.. कतकों जगा तो पइसा झोंक के विशेष सम्मान अउ बड़का-बड़का उपाधि दे के घलो चोचला होथे.

-हाँ अब सम्मान अउ उपाधि ह तो बेचरउहा जिनिस बरोबर बनगे हे.. मैं इहाँ अइसन कतकों समिति वाले मनला जानथौं जे मन सम्मान दे के ही व्यापार करथें.

-फेर अइसन बेचरउहा सम्मान झोंकइया अउ बड़का बड़का उपाधि ल टोटा म अरको के किंजरइया मन बर आम लोगन के मन कभू असल सम्मान के भाव देखे ले नइ मिलय जी.

साप्ताहिक शहर सत्ता

पाकिस्तान शांति नहीं चाहता, भारत मुंहतोड़ जवाब देने रहे तैयारः मोहन भागवत

पाकिस्तान को उसी भाषा में जवाब देना पड़ेगा जिसे वह समझता है

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान संबंधों पर चल रही खींचतान के बीच आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने पाकिस्तान के रवैये पर कड़ा संदेश दिया है. उन्होंने कहा कि भारत की ओर से हमेशा शांति की पहल होती है, लेकिन पाकिस्तान बार-बार माहौल बिगाड़ने की कोशिश करता है. बेंगलुरु में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने पड़ोसी देश को चेतावनी देते हुए कहा कि भारत हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है.

मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि भारत हमेशा पाकिस्तान के साथ शांति चाहता है, लेकिन पाकिस्तान उसकी कद्र नहीं करता. वह बेंगलुरु में '100 साल की संघ यात्रा - नए क्षितिज' कार्यक्रम में बोल रहे थे. भागवत ने कहा कि भारत की ओर से हमेशा शांति का प्रयास किया जाता है, लेकिन पाकिस्तान बार-बार माहौल बिगाड़ने की कोशिश करता है. उन्होंने कहा, 'हमेशा भारत शांति चाहता है. पाकिस्तान को इससे संतोष नहीं मिलता... जब तक उसे भारत को नुकसान पहुंचाने से मजा मिलता रहेगा, वह ऐसा करता रहेगा.'

खुद को नुकसान पहुंचाएगा पाकिस्तान

भागवत ने कहा कि भारत की ओर से झगड़ा शुरू नहीं होना चाहिए. उन्होंने कहा, 'अगर पाकिस्तान समझौता तोड़ेगा तो उसे सफलता नहीं मिलेगी. जितना वह कोशिश करेगा, उतना ही खुद को नुकसान पहुंचाएगा.' भागवत ने कहा कि पाकिस्तान को भारत

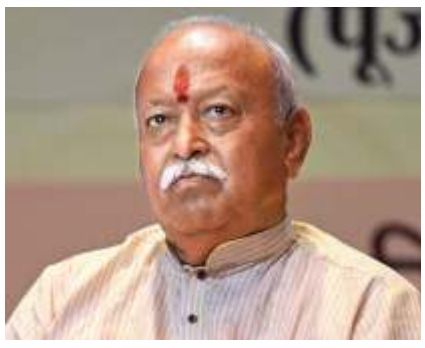

की शांति की भाषा समझ नहीं आती, इसलिए उसे उसी भाषा में जवाब देना पड़ेगा जिसे वह समझता है. उन्होंने कहा, 'उन्हें समझ नहीं आता कि भारत के लिए कुछ नहीं कर सकते. इसलिए हमें वह भाषा बोलनी होगी जो उन्हें समझ आए.'

1971 का दिया उदाहरण

भागवत ने याद दिलाया कि 1971 में पाकिस्तान ने हमला किया था और उसे बड़ी हार झेलनी पड़ी थी. उन्होंने कहा, 'उस समय पाकिस्तान ने 90,000 सैनिकों की पूरी सेना गंवाई थी. अगर वह ऐसी हरकतें जारी रखेगा तो उसे फिर सबक मिलेगा.' आरएसएस प्रमुख ने भारत को सतर्क रहने की जरूरत बताई. उन्होंने कहा, 'हमें पाकिस्तान की हर कोशिश के लिए तैयार रहना होगा. हर बार उसे करारा जवाब देना होगा ताकि वह पछताए।

24वें नौसेना दिवस पर ऑपरेशन सिंदूर का डेमो देगी इंडियन नेवी

कोच्चि को पहले जहाज की सौगात देने के बाद भारतीय नौसेना केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी तैयारियों का प्रदर्शन करने जा रही है और यह प्रदर्शन 24वें नौसेना दिवस के मौके पर आयोजित किया जाएगा, जो हर साल 4 दिसंबर को मनाया जाता है.

भारतीय नौसेना के मुताबिक, 4 दिसंबर को ऑपरेशनल डेमो में जंगी जहाज, पनडुब्बियां और फाइटर जेट से लेकर टोही विमान भी हिस्सा लेंगे. ऐसे में दुश्मन के खेमे में खौफ पैदा करने वाली नौसेना की कॉम्बैट क्षमताएं, ऑपरेशनल तैयारी और टेक्नोलॉजिकल एक्सीलेंस के साथ-साथ देश की समुद्री ताकत और आत्मनिर्भरता भी इस डेमो का हिस्सा होगा.भारतीय नौसेना के प्रवक्ता कैप्टन विवेक मधवाल के मुताबिक, ऑपरेशनल डेमो का मुख्य आकर्षण होगा ऑपरेशन सिंदूर (6-10 मई) के दौरान इंडियन नेवी की उन क्षमताओं का प्रदर्शन जिसके कारण दुश्मन (पाकिस्तान) ने भारत के खिलाफ दुस्साहस की हिम्मत नहीं की. इनमें नेवी का प्रेसशियन के साथ लक्ष्यों पर हमला करना, स्पीड और समंदर में डोमिनेंस शामिल है।

ये BJP इलेक्शन सिस्टम हैः राहुल गांधी

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पचमढ़ी में जंगल सफारी पर पहुंचे. सफारी के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार (9 नवंबर, 2025) को मीडिया से बातचीत की. इस दौरान उन्होंने एक बार फिर से एसआईआर और वोट चोरी का मुद्दा उठाया. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा चुनाव में बड़ी धांधली हुई है. उन्होंने कहा कि हरियाणा वाला प्रेजेंटेशन आपने देखा? वहां 25 लाख वोट चोरी हुए. आठ में से एक वोट गायब कर दिया गया. राहुल गांधी ने दावा किया कि डेटा देखने के बाद उन्हें यकीन हो गया है कि यही खेल मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में भी हुआ है. राहुल गांधी ने बीजेपी और चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि ये बीजेपी और इलेक्शन कमीशन का सिस्टम है. दोनों मिलकर वोट चोरी कर रहे हैं. उन्होंने आगे कहा कि मेरे पास और भी सबूत हैं, जिन्हें वे धीरे-धीरे सबके सामने लाएंगे. मुख्य मुद्दा वोट चोरी का है, लेकिन अब इसे एसआईआर (साइबर क्राइम) से जोड़कर छिपाने की कोशिश हो रही है.

'लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया जा रहा है'

मध्य प्रदेश पर खासा जोर देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यहां भी हम जल्द खुलासा करेंगे. हमारे पास बहुत जानकारी है. उन्होंने जिला अध्यक्षों से अच्छा फीडबैक मिलने की बात भी कही है. उनका कहना था कि कांग्रेस कार्यकर्ता जमीन पर मेहनत कर रहे हैं और सच्चाई सामने ला रहे हैं.।

आडवाणी की तारीफ कर फिर विवादों में घिरे शशि थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर एक बार फिर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में हैं. थरूर ने पूर्व उपप्रधानमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी की राजनीतिक विरासत का समर्थन किया. शशि थरूर ने कहा कि जैसे जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी को उनकी एक ही घटना से परिभाषित नहीं किया जा सकता.

उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट कर कहा कि आडवाणी जी की लंबे वर्षों की सेवा को केवल एक घटना तक सीमित करना, चाहे वह कितनी ही महत्त्वपूर्ण क्यों न हो, अनुचित है. जैसे नेहरूजी के पूरे राजनीतिक जीवन को सिर्फ चीन के खिलाफ हुए झटके से नहीं आंका जा सकता, न ही इंदिरा गांधी को केवल इमरजेंसी से परिभाषित किया जा सकता है. उसी तरह की निष्पक्षता आडवाणी जी के साथ भी बरती जानी चाहिए. कांग्रेस सांसद के ये बयान उस समय आए जब उन्होंने बीजेपी के संस्थापक सदस्यों में से एक आडवाणी को उनके 98वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हुए उनकी लोक सेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की. कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने आठ नवंबर को बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के 98वें जन्मदिन के मौके पर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उन्हें सच्चा नेता बताया था. थरूर ने कहा कि आदरणीय एलके. आडवाणी को 98वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! लोक सेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता, उनकी विनम्रता और शालीनता और आधुनिक भारत की दिशा तय करने में उनकी भूमिका अविस्मरणीय है।

ATC का दावा, लापरवाही के वजह से फेल हुआ दिल्ली एयरपोर्ट का सिस्टम

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शुक्रवार को हुए बड़े सिस्टम फेलियर को एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स पहले ही रोक सकते थे. ATC गिल्ड ऑफ इंडिया का कहना है कि उन्होंने जुलाई में ही एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (AAI) को सिस्टम से जुड़ी खामियों और अपग्रेड की जरूरत के बारे में चेतावनी दी थी, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया. ATC गिल्ड का कहना है कि उन्होंने जुलाई में AAI को सिस्टम अपग्रेड की जरूरत के बारे में लिखित जानकारी दी थी. उनका आरोप है कि बार-बार बताने के बावजूद उनके सुझावों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया.

अहमदाबाद हादसे के बाद सांसदों को भी लिखा पत्र

गिल्ड ने बताया कि 8 जुलाई को उन्होंने सांसदों को भी पत्र लिखा था. यह पत्र अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के हादसे के बाद भेजा गया, जिसमें 260 लोगों की मौत हुई थी. पत्र में कहा गया था कि एयर नेविगेशन सिस्टम की समय-समय पर समीक्षा और अपग्रेड होना बेहद जरूरी है.

अंतरराष्ट्रीय मानकों जैसा सिस्टम चाहता है ATC

ATC गिल्ड का कहना है कि भारत का ऑटोमेशन सिस्टम यूरोप के यूरोकंट्रोल और अमेरिका के FAA की तरह होना चाहिए. वहां के एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में आधुनिक तकनीक, AI-आधारित थ्रेट पहचान और रियल-टाइम डेटा शेयरिंग जैसी सुविधाएं हैं. गिल्ड का आरोप है कि उन्होंने कई बार AAI को गंभीर सुरक्षा चिंताओं के बारे में बताया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. शुक्रवार को दिल्ली एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोल सर्वर में तकनीकी खराबी आ गई थी।

जापान में फिर 6.7 की तीव्रता का भूकंप, सुनामी का अलर्ट

नई दिल्ली। जापान में एक बार फिर से भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं. जापान में रविवार शाम पांच बजकर तीन मिनट पर 6.7 तीव्रता का भूकंप आया. इसके बाद इवाते प्रांत में सुनामी का अलर्ट जारी कर दिया गया है.जापानी मीडिया के अनुसार, रविवार शाम को तट पर आए 6.7 तीव्रता के भूकंप के बाद इवाते में सुनामी की चेतावनी जारी की गई. जानकारी के अनुसार, इवाते प्रांत के ओफुनाटो शहर में तटीय क्षेत्रों के 2,825 घरों को खाली करने का आदेश दिया गया है. इसके साथ ही इन घरों में रहने वाले 6,138 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश जारी किया है. जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, शाम 5:39 बजे इवाते के ओफुनाटो बंदरगाह में 10 सेंटीमीटर की सुनामी देखी गई. शाम 5:12 बजे इवाते के तट से 70 किलोमीटर दूर एक कमजोर सुनामी देखी गई. जापान में सुनामी संबंधी चेतावनी में 1 मीटर तक की लहरों की आशंका है. वहीं मोरियोका शहर और इवाते के याहाबा कस्बे के साथ-साथ पड़ोसी मियागी प्रान्त के वाकुया कस्बे में इस भूकंप की तीव्रता 4 मापी गई।

सिर्फ एक महीने में चंद्रयान-3 के बजट से ज्यादा कमाई

केंद्र सरकार ने कबाड़ बेचकर कमाए 800 करोड़

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने सिर्फ एक महीने के अंदर कबाड़ बेचकर बंपर कमाई की. केंद्र सरकार की ओर से पिछले महीने बड़े स्तर पर चलाए गए सफाई अभियान के दौरान कबाड़ बेचकर 800 करोड़ की कमाई की गई. जो कि अपने आप में चंद्रयान-3 के बजट से भी कहीं ज्यादा है, जिसकी लागत 615 करोड़ रुपये थी. यह अभियान 2021 में शुरू किया गया था और पिछले महीने की कमाई को मिलाकर अब तक लगभग 4100 करोड़ रुपये कमाए जा चुके हैं, जो कि अपने आप में एक बड़ा अचीवमेंट हैं. बता दें कि यह अभियान 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलाया गया. सरकार ने इसके तहत लगभग 232 लाख वर्ग फुट कार्यालय के स्थान को खाली कराया है, जबकि 29 लाख फाइलें हटाई गईं हैं.

अब तक 5 अभियान चलाए गए

2021 से अब तक ऐसे 5 अभियान चलाए गए हैं. डॉ. जितेंद्र सिंह, मनसुखभाई मंडाविया और के. राम मोहन नायडू को इसका निपटारा करने का काम सौंपा गया था. इस दौरान कवर किए गए कार्यालयों की संख्या लगभग 23.62 लाख है. सरकार ने सफाई अभियान के तहत 928.84 लाख वर्ग फुट स्थान को खाली कराया है.मोदी सरकार के सफाई अभियान के तहत 166.95 भौतिक फाइलें बंद की गईं या हटा दी गईं और कबाड़ बेचकर 4,097.24 करोड़ रुपये की कमाई हुई. पीएमओ/डीओपीटी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एबीपी न्यूज़ से बातचीत में बताया कि यह मोदी सरकार के स्वच्छता मिशन के अनुरूप है, हमने कचरे को धन में बदल दिया है.

'इतनी कमाई में 6 चंद्रयान संचालित हो सकते हैं'

केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह एक भविष्योन्मुखी अवधारणा है और हमने इस पर सफलतापूर्वक काम किया है. इसके जरिए हमने अर्थव्यवस्था के उत्पादन में योगदान दिया है. उन्होंने बताया कि इतनी कमाई में 6 चंद्रयान संचालित हो सकते हैं.

क्या संजू सैमसन होंगे टीम इंडिया से बाहर?

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने दावा किया कि संजू सैमसन की टी20 टीम से छुट्टी हो गई है. कैफ की बातें सच साबित होती दिख रही हैं, क्योंकि चौथे मैच के बाद उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टी20 (IND vs AUS 5th T20) मैच में भी मौका नहीं मिला है. दरअसल मेलबर्न में खेले गए तीसरे टी20 मैच में सैमसन को नंबर-3 पर मौका दिया गया था, लेकिन वो सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हो गए थे. उसके बाद से ही कयास लगाए जाने लगे थे कि सैमसन का टी20 टीम से पत्ता साफ हो सकता है. संजू सैमसन बतौर ओपनर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन शुभमन गिल की टीम में वापसी के बाद सैमसन का बल्लेबाजी क्रम बार-बार बदला है.

बतौर ओपनर सैमसन ने टी20 में तीन शतक भी लगाए थे.सैमसन पिछले साल बांग्लादेश सीरीज से ओपनिंग कर रहे थे. उसके बाद उन्होंने 12 पारियों में 417 रन बना लिए थे, इसी दौरान उनके बल्ले से 3 शतक भी आए. वहीं एशिया कप में उन्हें ओमान के खिलाफ नंबर-3 पर मौका मिला तो उन्होंने 56 रनों की पारी खेली थी. उसके बाद उनका बल्लेबाजी क्रम बदल कर उन्हें पांचवें नंबर पर भेजा गया, जिसके बाद उनकी लय बिगड़ी हुई नजर आई. सैमसन टेस्ट और वनडे टीम में लंबे अरसे से नहीं आए हैं, ऐसे में टी20 टीम से बाहर होना उनका करियर खत्म होने जैसा होगा. ब्रिसबेन में खेले गए पांचवें टी20 मैच में टॉस के समय भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, "सभी बल्लेबाजों को यह समझना होगा कि यह 200 रन वाली पिच नहीं है।

भारत के सामने अफ्रीकी चुनौती

2 टेस्ट, 3 ODI और पांच टी20 मैच खेले जाएंगे

नई दिल्ली। भारतीय टीम का ऑस्ट्रेलियाई टूर खत्म हो गया है. 3 मैचों की वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया 2-1 से विजयी रहा था. मगर टी20 सीरीज में टीम इंडिया ने बदला लेते हुए कंगारू टीम को 2-1 से हराया है. अब भारतीय टीम के सामने दक्षिण अफ्रीका की चुनौती होगी. दक्षिण अफ्रीकी टीम का भारत दौरा 14 नवंबर से शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलेगा. इस बीच दोनों टीमों के बीच 2 टेस्ट, 3 ODI और पांच टी20 मैच खेले जाएंगे. यहां आइए जान लेते हैं, भारत-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट, वनडे और टी20 सीरीज का पूरा शेड्यूल.

14 नंबर से शुरू टेस्ट सीरीज

14 नवंबर से भारत की वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की मौजूदा चैंपियन दक्षिण अफ्रीका के साथ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज शुरू हो रही है. पहला टेस्ट 14 नवंबर से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा. दूसरा टेस्ट गुवाहाटी में 22 नवंबर से शुरू होगा.

पहला टेस्ट: 14-18 नवंबर - कोलकाता

दूसरा टेस्ट: 22-26 नवंबर - गुवाहाटी

खेली जाएगी 3 ODI मैचों की सीरीज

भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका वनडे सीरीज 30 नवंबर-6 दिसंबर तक चलेगी. पहला मैच 30 नवंबर को रांची में खेला जाएगा. दूसरा ODI मुकाबला 3 दिसंबर को रायपुर और एकदिवसीय श्रृंखला का आखिरी मैच 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में होगा.

पहला वनडे: 30 नवंबर - रांची

दूसरा वनडे: 3 दिसंबर - रायपुर

तीसरा वनडे: 6 दिसंबर - विशाखापत्तनम

पांच टी20 मैचों की सीरीज

भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका पांच टी20 मैचों की सीरीज का आगाज 9 दिसंबर से होगा और अंतिम टी20 मैच 19 दिसंबर को होगा. पहला मैच कटक, दूसरा चंडीगढ़ में खेला जाएगा. तीसरा मुकाबला धर्मशाला और चौथा मैच लखनऊ में होगा. टी20 सीरीज का पांचवां और अंतिम मुकाबला 19 दिसंबर को अहमदाबाद में खेला जाएगा.

पहला टी20: 9 दिसंबर - कटक

दूसरा टी20: 11 दिसंबर - चंडीगढ़

तीसरा टी20: 14 दिसंबर - धर्मशाला

चौथा टी20: 17 दिसंबर - लखनऊ

पांचवां टी20: 19 दिसंबर - अहमदाबाद

भारत -द.अफ्रीका टेस्ट इतिहास में ये रहे सबसे किफायती गेंदबाज

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान हैंसी क्रोन्ये सिर्फ एक शानदार ऑलराउंडर ही नहीं, बल्कि बेहद किफायती गेंदबाज भी थे. भारत के खिलाफ खेले गए 11 टेस्ट मैचों में उन्होंने 174 ओवरों में सिर्फ 316 रन देकर 14 विकेट झटके. उनका इकॉनमी रेट रहा सिर्फ 1.81 रन प्रति ओवर, जो आज भी भारत-साउथ अफ्रीका टेस्ट इतिहास का सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा है.90 के दशक में दक्षिण अफ्रीका के भरोसेमंद ऑलराउंडर ब्रायन मैकमिलन ने भी भारत के खिलाफ बेहतरीन नियंत्रण दिखाया. उन्होंने 10 मैचों में 303 ओवर डालकर 678 रन दिए और 23 विकेट झटके. उनका इकॉनमी रेट 2.23 रहा. वे अपनी सटीक लाइन और बाउंस कराने की क्षमता के लिए जाने जाते थे.दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज शॉन पोलक ने भारत के खिलाफ कई यादगार स्पेल डाले. 12 मैचों में उन्होंने 52 विकेट हासिल किए और उनका इकॉनमी रेट रहा 2.26 रन प्रति ओवर. पोलक की खासियत थी कि वे नई और पुरानी दोनों गेंद से बल्लेबाजों को परेशान करते थे.भारत के स्टार स्पिनर रवींद्र जडेजा ने पिछले कुछ सालों में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया है. उन्होंने 9 मैचों में 42 विकेट झटके और इकॉनमी रेट रहा 2.27 रन प्रति ओवर. जडेजा की गेंदबाजी की सटीकता और लगातार एक ही लाइन पर गेंद डालने की क्षमता उन्हें खास बनाती है।

भारत-रूस की दोस्ती बरकरारः राजदूत डेनिस अलीपोव

नई दिल्ली। अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा रखा है. वैश्विक मंचों से अमेरिका और पश्चिमी देश भारत और रूस की एनर्जी डील पर पाबंदियों की बात दोहराते रहते हैं. हालांकि, भारत ने कई मौकों पर यह स्पष्ट किया है कि, भारत हमेशा अपनी जनता की भलाई को ध्यान में रखकर ही कोई कदम उठाएगा. वहीं अब रूसी राजदूत के एक बयान से संकेत मिल रहा है कि, भारत और रूस के बीच एनर्जी डील भविष्य में और अधिक मजबूत हो सकती है. भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा कि, रूस भारत को अच्छी कीमतों और हाई क्वालिटी क्रूड ऑयल की सप्लाई करने के लिए पूरी तरह से तैयार है. साथ ही उन्होंने बताया कि, भारत और रूस मिलकर इन प्रतिबंधों के बीच रास्ता तलाशने की कोशिश कर रहे हैं. जिससे बिना रुकावट एनर्जी व्यापार जारी रह सके. इकोनॉमिक टाइम्स से बातचीत के दौरान, रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा कि रूस भारत के लिए कच्चे तेल का एक बड़ा सप्लायर बन गया है.

अगले कुछ सालों में भारत करेगा स्कॉच व्हिस्की बाजार पर कब्जा

नई दिल्ली। भारत अगले कुछ साल में प्रतिस्पर्धी तीव्रता, प्रीमियमीकरण और आर्थिक वृद्धि के बल पर मूल्य और मात्रा के लिहाज से सबसे बड़ा वैश्विक स्कॉच व्हिस्की बाजार बनने के लिए तैयार है. स्कॉच व्हिस्की एसोसिएशन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मार्क केंट सीएमजी ने यह बात कही है. मार्क केंट ने सिंगल माल्ट व्हिस्की बाजार में भारत के उभरने की सराहना करते हुए कहा कि स्कॉच व्हिस्की एसोसिएशन न केवल ब्रिटेन के बाजार में निर्यात के लिए, बल्कि अन्य वैश्विक बाजारों में भी साथ मिलकर संभावनाएं तलाश रहा है.

भारतीय सिंगल माल्ट श्रेणी के उभरने का उल्लेख करते हुए, जिनमें से कुछ ने हाल ही में कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं, उन्होंने कहा कि वह भारतीय माल्ट व्हिस्की एसोसिएशन के साथ बात करने जा रहे हैं, क्योंकि वे विनिर्माण और साथ मिलकर काम करने में गुणवत्ता के महत्व पर समान विचार रखते हैं. यह भारतीय और स्कॉटिश दोनों उद्योगों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है. भारतीय कंपनियों के लिए ब्रिटेन को भारतीय सिंगल माल्ट के निर्यात को बढ़ावा देने और वैश्विक बाजारों के लिए साझेदारी बनाने का अवसर है. उन्होंने पीटीआई भाषा को बताया कि, यह वास्तव में दोनों पक्षों के लिए एक अवसर का क्षण है. मार्क केंट ने कहा कि भारत पहले से ही मात्रा के लिहाज से स्कॉच का सबसे बड़ा बाजार है, जहां से इसका निर्यात 180 बाजारों में होता है।

कोई भी खिलाड़ी खेल से बड़ा नहीं: स्टीव वॉ

नई दिल्ली। विराट कोहली और रोहित शर्मा के भविष्य पर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव वॉ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. उनका कहना है कि मौजूदा क्रिकेट में ऐसा कोई प्लेयर नहीं है, जिसकी जगह कोई दूसरा ना ले सके. रोहित और विराट, 2027 का वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं, यह अजीत अगरकर की लीडरशिप वाली सेलेक्शन कमिटी के लिए भी चुनौतीपूर्ण विषय बना हुआ है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ODI सीरीज में दमदार बैटिंग करते हुए दोनों सीनियर खिलाड़ियों ने 2 साल बाद होने वाले वर्ल्ड कप में खेलने का दावा ठोका है. एक भारतीय पत्रकार से वार्ता के दौरान स्टीव वॉ ने कहा, "खिलाड़ियों को जिम्मेदारी लेनी होगी और समझना होगा कि कोई भी खिलाड़ी इस गेम से बड़ा नहीं है. आप खुद को गेम से बड़ा नहीं मान सकते. कोई भी आपकी जगह ले सकता है. मेरा मानना है कि कोई भी खिलाड़ी गेम को अपने हिसाब से नहीं चला सकता. अंत में चयन समिति के चेयरमैन को टीम की बेहतरी के लिए फैसला लेना होता है." अजीत अगरकर कह चुके हैं कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को ट्रायल पर नहीं रखा जा सकता है. मगर मीडिया रिपोर्ट्स अनुसार बीसीसीआई अधिकारियों का कहना है कि 2027 वर्ल्ड कप के लिए टीम का चयन सिर्फ प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा.

15 नवंबर तक आईपीएल टीमों को जमा करना होगा रिटेंशन लिस्ट

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के अगले संस्करण (IPL 2026) से पहले एक मिनी ऑक्शन होगा, जो दिसंबर में होना है. उससे पहले सभी 10 टीमें अपने रिटेन और रिलीज़ प्लेयर्स का चयन करेगी और उसे बीसीसीआई को सौंपेगी. किस टीम ने किसे अपने साथ रखा और किसका साथ छोड़ा, इसकी लिस्ट अगले हफ्ते जारी होगी. इसकी तारीख की आधिकारिक घोषणा हो गई है. रिटेंशन का लाइव प्रसारण और लाइव स्ट्रीमिंग भी होगी, जानिए इसके बारे में पूरी जानकारी. आईपीएल 2026 की सभी 10 टीमों के लिए अपने रिटेन किए गए और रिलीज़ किए गए खिलाड़ियों की लिस्ट सौंपने की डेडलाइन 15 नवंबर है. इसी दिन (शनिवार, 15 नवंबर) ये लिस्ट सार्वजानिक भी होगी।

बच्चे भी कर सकेंगे ऑनलाइन पेमेंट

अब बिना बैंक अकाउंट के भी चलेगा यूपीआई

नई दिल्ली। आरबीआई ने बदलते टेक्नोलॉजी को ध्यान में रखते हुए Junio Payments प्राइवेट लिमिटेड को डिजिटल वॉलेट सेवाएं शुरू करने की अनुमति दे दी है. आज भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करने वाले देशों में शामिल हैं. आज छोटी-छोटी दुकानों से लेकर बड़े-बड़े मॉल तक लोग ऑनलाइन पेमेंट का इस्तेमाल करने लगे हैं.आज लगभग हर दुकान में डिजिटल पेमेंट की सुविधा मौजूद है. आपको डिजिटल पेमेंट करने के लिए बैंक खाता की जरूरत होती हैं, पर आरबीआई की इस नई योजना के तहत यूजर्स जिनका बैंक अकाउंट नहीं है, वे भी ऑनलाइन पेमेंट कर पाएंगे. आरबीआई जूनियो के तहत जल्द ही यूपीआई से जुड़ी एक नया डिजिटल वॉलेट लॉन्च करने जा रही है. जिसका इस्तेमाल ऐसे यूजर्स भी कर पाएंगे, जिनका बैंक अकाउंट नहीं होगा.

अंकित गेरा और शंकर नाथ ने बच्चों और युवाओं के लिए जूनियो ऐप की शुरुआत की है. इस ऐप का मकसद है, बच्चों को जिम्मेदारी से पैसे खर्च करना और बचत की आदत सिखाना. जूनियो पेमेंट्स का इस्तेमाल करने के लिए बच्चों के माता-पिता इसमें पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं.साथ ही खर्च की सीमा तय करने के अलावा हर ट्रांजेक्शन पर नजर रखने की सुविधा भी जूनियो पेमेंट्स देता है. ऐप में कई आकर्षक फीचर भी मौजूद है. ऐप में टास्क रिवॉर्ड और सेविंग गोल्स जैसी सुविधाएं हैं. जिससे बच्चों को वित्तीय समझदारी की जानकारी होती है. अब तक दो मिलियन से ज्यादा युवाओं ने जूनियो पेमेंट्स ऐप का इस्तेमाल किया है.

कैसे काम करता है जूनियो पेमेंट्स?

जूनियो की सबसे खास बात यह है कि, अब बच्चे बिना बैंक अकाउंट के भी यूपीआई क्यूआर कोड स्कैन करके आसानी से पेमेंट कर सकते है. यह सुविधा एनपीसीआई के यूपीआई सर्कल इनिशिएटिव से जुड़ी है, जिसके तहत यूजर्स के माता-पिता अपने यूपीआई अकाउंट को बच्चों के वॉलेट से लिंक कर सकते हैं. इस ऐप से बच्चों को वित्तीय समझ डेवलप करने में आसानी होगी. वे जान पाएंगे कि, पैसा कितने खर्च करने चाहिए और किस तरह से पैसों की बचत की जा सकती है.

साप्ताहिक शहर सत्ता

बीजेपी विधायक पुरंदर बोले; बृहस्पति बीजेपी ज्वाइन करेंगे तो इज्जत मिलेगी

कहा कांग्रेस आदिवासी नेताओं का अपमान करती है अमरजीत का भी मंच से छीन चुके माइक

बृहस्पति बोले-मेरे खिलाफ सिंहदेव कराना चाहते हैं FIR

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह ने सह प्रभारी जरिता लैतफलांग पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। इसके बाद मनेंद्रगढ़, सूरजपुर और सरगुजा समेत कई जिलों में कांग्रेस ने थाने पहुंचकर FIR दर्ज करने की मांग की। इस पर कांग्रेस से निष्कासित पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह ने कहा कि, टीएस सिंहदेव के कहने पर मल्लू पाठक (सरगुजा कांग्रेस जिलाध्यक्ष) मेरे खिलाफ FIR करने थाने पहुंचे थे। सिंहदेव चाहते हैं कि, आदिवासी नेता के खिलाफ FIR दर्ज करके दबाया जाए। बृहस्पति सिंह ने कहा कि इनके ऐसा करने से मैं डरने वाला नहीं हूं। मैं चाहता हूं आजादी, बोलने की आजादी, काम करने की आजादी। कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से काम कर सके, इसकी आजादी। मैं नहीं चाहता कि मल्लू पाठक की तरह, सामंत शाहों के कब्जे में रहकर सरगुजा कांग्रेस की राजनीति चले, मैं ऐसा नहीं चाहता।

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर मचा घमासान अब और तेज हो गया है। शनिवार को कांग्रेस से निष्कासित पूर्व विधायक बृहस्पति सिंह ने पार्टी नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए, जिसके बाद प्रदेश की सियासत गर्मा गई है। उनके बयान के बाद जिला कांग्रेस कमेटी ने थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की। इस पूरे घटनाक्रम पर रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी MLA पुरंदर मिश्रा ने कहा, "अगर बृहस्पति सिंह कांग्रेस में परेशान हैं, तो वे बीजेपी में आ जाएं। बीजेपी बड़ी दिल वाली पार्टी है। समुद्र में एक लोटा पानी आए या चला जाए, कोई फर्क नहीं पड़ता। MLA मिश्रा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी का कल्चर हमेशा से आदिवासी नेताओं को अपमानित करने वाला रहा है। उन्होंने कहा, "पहले भी कांग्रेस के आदिवासी नेता अमरजीत भगत का माइक छीना गया था, अब बृहस्पति सिंह को अपशब्द कहकर बेइज्जत किया जा रहा है।"

यह है पूरा मामला

गौरतलब है कि शनिवार को बृहस्पति सिंह ने एक वीडियो जारी कर कांग्रेस के कई नेताओं पर 5 से 7 लाख रुपए लेकर जिला अध्यक्ष नियुक्त करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कांग्रेस की सह प्रभारी जरिता लैतफलांग पर कार्रवाई की मांग की। साथ ही दावा किया कि पूर्व प्रभारी शैलजा कुमारी ने भी टिकट वितरण के समय पैसों का लेन-देन किया था, जिसके कारण कांग्रेस को सत्ता से हाथ धोना पड़ा। इन आरोपों के बाद कांग्रेस संगठन में हड़कंप मचा हुआ है, जबकि बीजेपी नेताओं के बयानों से सियासी तापमान और बढ़ गया है।

केशकाल की जर्जर-सड़क का हाल दिखाने दीपक बैज ने चलाई बुलेट

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में खराब सड़कों को लेकर कांग्रेस हमलावर है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने केशकाल से जगदलपुर तक पांच किलोमीटर लंबी जर्जर सड़क पर बाइक चलाकर वीडियो साझा किया। अपने वीडियो में दीपक बैज ने कहा कि "आज हम उस सड़क पर मोटरसाइकिल से जा रहे हैं, जो पिछले पांच महीनों से खराब है, आप हेलिकॉप्टर से जाते हैं तो आपको सड़कें नहीं दिखेंगी, इस वीडियो के जरिए ये सड़कें हम सीधे सरकार को दिखाना चाहते हैं।

पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, "कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ेगी। जनता को बेहतर सड़कें और सुरक्षित आवागमन का अधिकार मिलना चाहिए। यह हमारी प्राथमिकता है।" बैज ने यह भी कहा कि जर्जर सड़कों का मुद्दा सिर्फ राजनीतिक पोस्टर या वीडियो का विषय नहीं है, बल्कि यह जनता की रोजमर्रा की समस्याओं से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया कि कांग्रेस सड़कों के सुधार के लिए लगातार आवाज उठाएगी।

कांग्रेस ने की सड़क आंदोलन की तैयारी

खराब सड़कों के मुद्दे को लेकर कांग्रेस जन आंदोलन की तैयारी में है। पार्टी ने राज्य के सभी जिलों में आम जनता के साथ मिलकर जर्जर सड़कों के विरोध में प्रदर्शन करने की घोषणा की है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने जिला, शहर, नगर और ब्लॉक अध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों की खराब सड़कें निरीक्षण करके विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें और चिन्हांकित करें। इसके साथ ही कांग्रेस के सभी मोर्चा, संगठन और प्रकोष्ठ विभागों को सक्रिय कर दिया गया है, ताकि आंदोलन को जन आंदोलन का रूप दिया जा सके।

कारीआम-बसंतपुर और गौरेला-वेंकटनगर मार्ग में बीटी पेच रिपेयर कार्य शुरू

अरुण साव के निर्देश पर दोनों अंतरराज्यीय मार्ग कर रहे रिपेयर

शहर सत्ता/रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव की घोषणा के अनुरूप गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के कारीआम-बसंतपुर मार्ग, जो कि जिला मुख्यालय एवं बिलासपुर आवागमन का मुख्य मार्ग है और गौरेला-वेंकटनगर मार्ग मध्य प्रदेश की सीमा से लगा हुआ अंतरराज्यीय मार्ग है। दोनों मार्गों पर बी.टी. पेच रिपेयर का कार्य तेजी से चल रहा है। यह कार्य लोक निर्माण विभाग पेंड्रा संभाग पेंड्रारोड द्वारा किया जा रहा है।

विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि उक्त दोनों मार्गों में यातायात घनत्व अधिक होने के कारण मार्ग जर्जर हो गया है। जिससे मार्ग में बार-बार डब्ल्यू.एम.एम. पेच से मरम्मत कार्य करना पड़ता है। वर्तमान में मार्ग की पूरी चौड़ाई में डब्ल्यू.एम.एम. 150 एम.एम. मोटाई, बी.एम. 50 एम.एम. मोटाई और एम.एस.एस. 20 एम.एम. मोटाई में पेच रिपेयर के अंतर्गत कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने ने बताया कि चिन्हाकित मार्गों का मरम्मत 31 दिसम्बर 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्धारित किया गया है। उल्लेखनीय है कि विभागीय मंत्री अरुण साव ने 10 अक्टूबर 2025 को घोषणा की थी कि वर्षा ऋतु के पश्चात सड़कों के रख-रखाव एवं मरम्मत का कार्य शीघ्र ही तेजी से किया जाएगा।

सड़क बनाने पैसा नहीं, डिप्टी CM के भांजे की तेरहवी में सरकारी पैसा खर्च

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार के पास सड़कें बनाने के लिए, सड़कों की मरम्मत के लिए पैसे नहीं है लेकिन निजी तेरहवीं कार्यक्रम में खर्च करने के लिए सरकार के पास पैसे है। सरकार दो साल में दो किमी भी सड़क नहीं बनवा पाई। प्रदेश की 70 प्रतिशत सड़कों में गड्ढे हो गये है। खराब सड़कों की वजह से प्रदेश में औसतन रोज एक्सीडेंट से 5 मौते हो रही है और सड़क बनाने वाला विभाग अपने मंत्री के भांजे की तेरहवीं में 97 लाख खर्च कर रहा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकारी धन के बंदरबांट का यह अपनी तरह का बेहद अलग उदाहरण है, जहां मंत्री जी के रिश्तेदार की तेरहवी भी सरकार के खर्चे पर करवा दी गयी।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि इस विषय में पीडब्ल्यूडी के बेमेतरा संभाग का स्पष्टीकरण भी लीपापोती वाला है। पीडब्ल्यूडी ने बेमेतरा में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के भुगतान के जो विवरण दिये है उसमें 97 लाख के भुगतान के संबंधित चेक का कही कोई विवरण नहीं है। पीडब्ल्यूडी बताये कि चेक क्रमांक आरबीटी 1702533464865 भुगतान राशि 3205580, चेक क्रमांक आरबीटी 1702533464864 भुगतान राशि 3329310, चेक क्रमांक आरबीटी 1702533464838 भुगतान राशि 2199534 सभी का भुगतान 18.06.2025 को किया गया है। और गुरूदेव टेंट हाउस बेमेतरा के नाम पर चेक बना है। लोक निर्माण विभाग बताये कि इन चेकों का भुगतान किस कार्यक्रम के एवज में किया गया था।

नक्सल समस्या छोड़ बाकी कामों में सरकार विफल

टीएस सिंहदेव बोले- भाजपा कमजोर हो गई है

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस लीडर टीएस सिंहदेव अपने निजी प्रवास पर बस्तर पहुंचे। 8 नवंबर को उन्होंने मीडिया से भी चर्चा की। इस दौरान सिंहदेव ने सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा कमजोर हो गई है। इसलिए वो कांग्रेस की तरफ ध्यान दे रही है। पूरे प्रदेश में कोई भी विकास काम नहीं हो रहे हैं। कानून व्यवस्था भी ठीक नहीं है। नक्सल समस्या के संदर्भ में जरूर कुछ कार्रवाई होते दिख रही है। इसके अलावा लोगों में सरकार को लेकर कोई संतोष नहीं है। हमें हमारे प्रदेश अध्यक्ष काम में बहुत दौड़ाते हैं। भाजपा के आरोपों को लेकर कहा कि, हमारे कांग्रेस संगठन के कामों में कोई कमी नहीं दिख रही है।

भाजपा के कारनामें हम उठाते हैं

वोट चोरी के संबंध में हस्ताक्षर अभियान को लेकर टीएस सिंहदेव ने कहा कि हर कार्यक्रम में लोग भागीदार बन रहे हैं। मंडलों का गठन हो रहा है। वोट चोरी के संबंध में हस्ताक्षर अभियान भी चला है। हमें हमारे अध्यक्ष हर हफ्ते किसी न किसी कार्यक्रम में दौड़ाते हैं। BJP सरकार के कारनामा हम उठाते रहते हैं। यदि हमारी उपस्थित के बाद भी कमी दिख रही है तो वे लोग आइना देख लें।

आरोप; वोटर लिस्ट दूषित है

SIR पर सिंहदेव ने कहा कि, वोटर लिस्ट दूषित है। जितनी जल्दी चुनाव आयोग इसे ठीक करे बेहतर होगा। वर्तमान में SIR हो रहा है वह अत्यधिक कठिन प्रक्रिया है। हर व्यक्ति को फॉर्म भरना है। 2 फोटो चिपकाने होंगे।

अब ये बताएं कि अबूझमाड़ के लोग कहां फोटो खिंचवाने जाएं? इस प्रक्रिया के लिए डॉक्यूमेंट अटैच करना है। वहां, कहां जाकर फोटो कॉपी करेंगे? जनता के पूरे अधिकार के साथ जो नाम दर्ज होना चाहिए वह आपको बताना पड़ेगा मेरा नाम जोड़ो। वोटर लिस्ट बनाने की इससे दूषित प्रक्रिया हो ही नहीं सकती।

एसआईआर : 5 दिनों में 30 लाख मतदाताओं तक पहुंचे बीएलओ

सभी विधानसभा क्षेत्रों में गणना प्रपत्र और घोषणा प्रपत्र देने के साथ दस्तावेज कर रहे संकलित

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) का काम जोरों पर है। विगत 4 नवम्बर को इसकी शुरूआत के बाद से बीएलओ प्रारंभिक पांच दिनों (4 नवम्बर से 8 नवम्बर तक) में करीब 30 लाख मतदाताओं तक पहुंचकर गणना प्रपत्र वितरित कर चुके हैं। राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में घर-घर जाकर बीएलओ गणना प्रपत्र और घोषणा प्रपत्र देने के साथ ही आवश्यक दस्तावेज भी संकलित कर रहे हैं। राज्य में पंजीकृत दो करोड़ 12 लाख 30 हजार 737 मतदाताओं में से अब तक 29 लाख 29 हजार 125 मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं जो कि लक्ष्य का 14 प्रतिशत है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी जिलों में जिला निर्वाचन अधिकारियों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों तथा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा मतदान केंद्र स्तर पर एसआईआर के कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। एसआईआर के लिए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बीएलओ सक्रियता से मतदाताओं तक पहुंच रहे हैं। राज्य शासन के मुख्य सचिव श्री विकास शील के घर भी उनके मतदान केंद्र के बूथ लेवल अधिकारी ने गणना प्रपत्र देकर आवश्यक दस्तावेज संकलित किए। बीएलओ ने नवा रायपुर स्थित उनके शासकीय आवास जाकर प्रारूप-08 और घोषणा प्रपत्र (Annexure 4) प्रदान किया। मुख्य सचिव विकास शील को अधिकारियों ने इस दौरान मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया एवं आवश्यक विवरण की जानकारी दी। टीम ने गणना प्रपत्र में आवश्यक जानकारी भरकर उसे पूर्ण रूप से संकलित किया। मुख्य सचिव श्री विकास शील ने सभी पात्र नागरिकों से एसआईआर में सक्रिय भागीदारी और सहयोग करने की अपील की है। एसआईआर के अंतर्गत बीएलओ रायपुर में विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-50 (रायपुर उत्तर) के देवेन्द्र नगर में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार के भी घर पहुंचे और उन्हें गणना प्रपत्र दिया।

राष्ट्रपति प्रवास से पूर्व 11 नवंबर को मुख्य सचिव लेंगे उच्चस्तरीय बैठक

शहर सत्ता/रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 20 नवंबर को छत्तीसगढ़ आने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। राष्ट्रपति के छत्तीसगढ़ प्रवास की तैयारियों को लेकर 11 नवंबर मंगलवार को दोपहर 4 बजे मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया जाएगा। बैठक में सभी प्रमुख मंत्रालय एवं विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों सहित संबंधित जिलों के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल होंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान सरगुजा के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगी। मुख्य सचिव द्वारा राष्ट्रपति महोदया के निर्बाध एवं गरिमामय प्रवास के लिए सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, आवागमन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित आवश्यक व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा की जाएगी तथा अधिकारियों को दायित्व निर्वहन के निर्देश दिए जाएंगे। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह विभाग, पुलिस महानिदेशक छत्तीसगढ़, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव आदिम जाति विभाग, राज्यपाल के सचिव, सचिव उर्जा विभाग, सचिव लोकनिर्माण विभाग, सचिव सामान्य प्रशासन विभाग, सचिव स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग, आयुक्त सरगुजा संभाग, अति. पुलिस महानिदेशक गुप्तवार्ता, पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज, आयुक्त जनसंपर्क, कलेक्टर जिला सरगुजा, पुलिस अधीक्षक सरगुजा, एयरफोर्स इंचार्ज छत्तीसगढ़, प्रमुख अभियंता लोकनिर्माण विभाग, महाप्रबंधक बीएसएनएल एवं राज्य शिष्टाचार अधिकारी छत्तीसगढ़ शामिल होंगे।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को मिल रहा बेहतर प्रतिसाद

शहर सत्ता/रायपुर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को आम जनता से अभूतपूर्व समर्थन मिल रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार खैरागढ़ जिले में इस योजना के तहत अब तक 515 नागरिकों ने पंजीकरण कराया है, जो हरित ऊर्जा की दिशा में बढ़ते जन-समर्थन को दर्शाता है।

सब्सिडी से सोलर रूफटॉप सिस्टम हुआ सस्ता

योजना की इस बड़ी सफलता का एक मुख्य कारण केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा दी जा रही 45000₹ से लेकर 1 लाख 08 हज़ार भारी सब्सिडी है। इस सब्सिडी ने सोलर रूफटॉप सिस्टम की लागत को बहुत ही कम कर दिया है, जिससे यह आम नागरिकों की पहुंच में आ गया है। सब्सिडी ने शुरुआती निवेश के बोझ को काफी कम कर दिया है, जिससे लोगों को यह विश्वास हो गया है कि यह योजना कम समय में ही अपनी लागत वसूल कर लेगी और उसके बाद वे पूरी तरह मुफ्त बिजली का लाभ उठा सकेंगे।

23 घरों में हुआ इंस्टॉलेशन

खैरागढ़ जिले में पंजीकरण के बाद अब तक 23 लाभार्थियों के घरों पर सोलर रूफटॉप सिस्टम सफलतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं, और अब अपनी बिजली की जरूरतों के लिए ग्रिड पर निर्भरता कम करके, मुफ्त बिजली का लाभ उठाना शुरू कर चुके हैं।

सुशासन की बड़ी सौगात; जशपुर जिले में चार नालों पर बनेगा पुल

शहर सत्ता/रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए चार प्रमुख नालों पर पुल निर्माण हेतु 13 करोड़ 69 लाख 21 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। यह परियोजना ग्रामीण इलाकों में आवागमन को न केवल आसान बनाएगी, बल्कि वर्षा ऋतु में संपर्क मार्गों के बाधित न होने की सुनिश्चितता भी प्रदान करेगी।

दुलदुला एल-025 से बनगांव मार्ग के लिए 3.60 करोड़ रू., चटकपुर से बकुना मार्ग के लिए 2.71 करोड़ रू., मुड़ाअम्बा मुड़ा नाला पर पुल निर्माण हेतु 2.69 करोड़ रू. और फरसाबहार के रायअम्बा से मकरीबंधा कुसुमनाला पर पुल निर्माण के लिए 4.67 करोड़ रू. की स्वीकृति मिली है।

इन पुलों के निर्माण से ग्रामीणों का दैनिक आवागमन, स्थानीय व्यापार, शिक्षा, कृषि और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार संभव होगा। क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के इस महत्वपूर्ण कदम के लिए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया है। यह परियोजना जशपुर जिले के सामाजिक-आर्थिक विकास में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सहायक होगी और बेहतर भविष्य की संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करेगी।

चार दिन का उत्सव, जहां पर्यटक प्राकृतिक वादियों, जनजातीय संस्कृति और एडवेंचर स्पोर्ट्स का ले रहे मज़ा

जशपुर जम्बूरी 2025: प्रकृति, संस्कृति और साहसिक रोमांच का अनोखा संगम

शहर सत्ता/रायपुर। जशपुर के हरे-भरे जंगलों और सुरम्य वादियों में आयोजित जशपुर जम्बूरी 2025 पर्यटन का ऐसा महाकुंभ है, जो प्रकृति प्रेमियों और रोमांच तलाशने वालों के लिए यादगार अनुभव लेकर आया है। 6 से 9 नवंबर तक चलने वाले इस भव्य आयोजन में देशभर से आए 120 से अधिक प्रतिभागियों ने नीमगांव में पक्षी दर्शन से अपनी यात्रा की शुरुआत की, जहां शांत वातावरण ने सभी को प्रकृति के करीब ला दिया।

दो समूहों में बंटे पर्यटकों ने मयाली में कयाकिंग, एटीवी राइड, एक्वा साइकिलिंग और पेंटबॉल जैसे साहसिक खेलों का आनंद लिया, जबकि दूसरे समूह ने देशदेखा में बोल्डरिंग, रॉक क्लाइंबिंग, जुमारिंग और ज़िपलाइनिंग जैसी चुनौतीपूर्ण गतिविधियों में भाग लिया। मधेश्वर पहाड़ के प्राकृतिक शिवलिंग की दिव्यता के बीच आयोजित इस उत्सव में स्थानीय व्यंजनों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी प्रतिभागियों के बीच अपनी छाप छोड़ी। शाम को सरना एथनिक रिजॉर्ट में पारंपरिक नृत्य और लोकगीतों ने जशपुर की जीवंत जनजातीय संस्कृति को मंच पर जीवंत कर दिया।

आखिरी सत्र में पर्यटक चमकीले तारों के नीचे कैम्पफायर के इर्द-गिर्द एकजुट हुए, जहां हंसी-मज़ाक और अनुभवों के आदान-प्रदान से यह दिन प्रतिभागियों के लिए एक यादगार बन गया। यह आयोजन न केवल पर्यटन को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसर भी प्रस्तुत कर रहा है, जिससे जशपुर राज्य के पर्यटन मानचित्र पर अपनी खास पहचान बना रहा है। जशपुर जम्बूरी 2025 ने छत्तीसगढ़ के ग्रामीण पर्यटन को नई उड़ान दी है, जहां प्रकृति, संस्कृति और एडवेंचर का प्रभावशाली समागम देखने को मिल रहा है।

बैक टू बैक फ्लॉप दे रहे बॉलीवुड के 4 एक्टर

बॉलीवुड इंडस्ट्री में कई एक्टर्स बीते काफी समय से हिट फिल्में देने से चूंक रहे हैं. इस लिस्ट में हिंदी सिनेमा के 4 एक्टर्स का नाम शामिल है. इस लिस्ट में कई टॉप एक्टर्स का नाम शुमार हैं जो कभी हिट मशीन कहलाए जाते थे. लेकिन बाद में इन एक्टर्स की किस्मत ने ऐसी पलटी मारी कि अब वो एक हिट के लिए तरस रहे हैं. आइए जानते हैं इन एक्टर्स के बारे में.

टाइगर श्रॉफ

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता जैकी श्रॉफ के बेटे टाइगर श्रॉफ ने 2014 में हीरोपंती से डेब्यू किया था. अपने करियर में वैसे तो उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया है लेकिन बीते कुछ सालों से देखा गया कि उनकी फिल्में लगातार फ्लॉप हो रही हैं. 2019 में रिलीज हुई टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'बागी 2' ही उनकी आखिरी हिट हुई.

स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 – 69.11 करोड़
हीरोपंती 2 – 24.45 करोड़
गणपत : अ हीरो इस बॉर्न – 9.70 करोड़
बड़े मियां छोटे मियां – 59.17 करोड़
बागी 4 – 47.70 करोड़

अभिषेक बच्चन

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन के बेटे अभिषेक बच्चन ने कई असफलताओं का सामना करना पड़ा. अमिताभ बच्चन के बेटे होने के नाते उनपर काफी दबाव भी रहा. एक्टर की आखिरी हिट फिल्म 2016 में मल्टी स्टारर फिल्म 'हाउसफुल 3' रही. इसके बाद अभिषेक बच्चन के फ्लॉप फिल्मों का सिलसिला शुरू हो गया.

मनमर्जियां – 27.09 करोड़
घूमर – 4.83 करोड़
आई वॉन्ट टू टॉक – 1.25 करोड़
हाउसफुल 5 – 160.72 करोड़ (एवरेज)

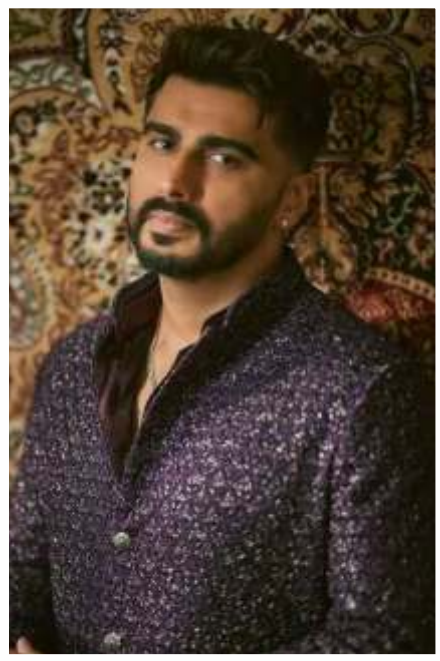

अर्जुन कपूर

शोबिज इंडस्ट्री से ताल्लुक रखने के बावजूद भी अर्जुन कपूर खुद को सिनेमाई पर्दे पर साबित नहीं कर पाए. उनका करियर भी काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा. 2012 में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की और उनकी डेब्यू फिल्म इशकजादे बॉक्स ऑफिस पर सफल हुई. इसके बाद उन्होंने 2016 में उन्होंने 'की एंड का' से अपनी आखिरी हिट दी. इसके बाद 2017 से लेकर 2025 तक उन्होंने जितनी भी फिल्में की वो सभी एवरेज या फ्लॉप ही हुई. इस साल अर्जुन कपूर की फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' रिलीज हुई जिसने बॉक्स ऑफिस पर 9.38 करोड़ का बिजनेस किया.

संजय दत्त

संजय दत्त का ताल्लुक भी फिल्मी परिवार से रहा. उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 'रॉकी' से की जो 1981 में रिलीज हुई थी. उनकी सिर्फ प्रोफेशनल लाइफ ही नहीं बल्कि पर्सनल लाइफ भी काफी चर्चा में रही. लेकिन बाद में राजकुमार हिरानी द्वारा बनायी गयी फिल्म 'मुन्नाभाई एमबीबीएस' और 'लगे रहो मुन्नाभाई ' ने उनकी इमेज बदल दी. 2012 में संजय दत्त की फिल्म 'अग्निपथ' रिलीज हुई और वहीं उनकी आखिरी हिट फिल्म रही. इसके बाद से लेकर अब तक लेजेंडरी एक्टर की सभी फिल्में फ्लॉप हुईं. संजय दत्त की लेटेस्ट प्रोजेक्ट की बात करें तो उन्हें बागी 4 में देखा लेकिन ये फिल्म भी फ्लॉप रही.

नवंबर में नेटफ्लिक्स पर आ रहीं शानदार साउथ फिल्में

नवंबर का महीना ओटीटी लवर्स के लिए बेहद खास है क्योंकि थिएटर्स में तो हर हफ्ते नई फिल्में रिलीज हो ही रही हैं, साथ ही ओटीटी पर भी आय दिन कुछ न कुछ नया आ रहा है. नवंबर में आने वाले दिनों में भी नेटफ्लिक्स यूजर्स फुल पैसा वसूल कर पाएंगे. दरअसल साउथ की कई मोस्ट अवेटेड फिल्म इसी महीने नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने जा रही हैं. इस लिस्ट में 'डूड', आर्यन, 'मास जथारा' से लेकर 'तेलुसु कड़ा' तक का नाम शामिल है.

तेलुसु कड़ा

'तेलुसु कड़ा' 17 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब जल्द ओटीटी पर आ रही है. सिद्धू जोन्नालगड्डा की फिल्म 5 भाषाओं- तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में ओटीटी पर आएगी. 'तेलुसु कड़ा' अब 14 नवंबर, 2025 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है. नवोदित नीरजा कोना ने डायरेक्शन में बनी फिल्म में राशि खन्ना और श्रीनिधि शेट्टी भी लीड रोल में हैं.

डूड

तमिल रोमांटिक फिल्म 'डूड' भी 17 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. प्रदीप रंगनाथन और ममिथा बैजू स्टारर इस फिल्म को कीर्तिश्वरन ने डायरेक्ट किया है. अब 'डूड' 14 नवंबर, 2025 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है.

बायसन कालमादन

कबड्डी कोच मनथी पी. गणेशन के लाइफ पर बनी फिल्म 'बायसन कालमादन' 31 अक्टूबर को पर्दे पर आई थी. इस तमिल स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म को मरी सेल्वाराज ने डायरेक्ट किया है. 'बायसन कालमादन' में ध्रुव विक्रम, अनुपमा परमेश्वरन, पशुपति और राजिशा विजयन जैसे कलाकार अहम रोल में हैं. ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर 21 अक्टूबर, 2025 से स्ट्रीम होने वाली है.

'दीवानियत' हिट होते ही बदली हर्षवर्धन की जिंदगी

अब लेंगे 5 गुना ज्यादा फीस! केआरके का दावा

हर्षवर्धन राणे इन दिनों अपनी लेटेस्ट फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' को लेकर टॉक ऑफ द टाउन बने हुए हैं. फिल्म के सक्सेस के बाद हर जगह उन्हीं के चर्चे हो रहे हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक ये फिल्म अभिनेता के करियर की रिकॉर्ड ब्रेकिंग फिल्म साबित हुई है. ऐसे में अब केआरके का कहना है कि 'एक दीवाने की दीवानियत' के सक्सेस के बाद हर्षवर्धन राणे की सिर्फ पॉपुलैरिटी ही नहीं बल्कि उनके फीस में भी इजाफा हुआ है. 'एक दीवाने की दीवानियत' 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म में दर्शकों ने हर्षवर्धन राणे के किरदार और उनकी एक्टिंग स्किल्स को भी खूब सराहा. हर जगह अब सिर्फ अभिनेता की ही तारीफ हो रही है और इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे के करियर को एक नया आयाम दिया है. अब कमल आर खान (केआरके) ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया. इसमें उन्होंने दावा किया कि 'एक दीवाने की दीवानियत' के सक्सेस के बाद हर्षवर्धन राणे अब फीस के लिए 10 करोड़ रुपए डिमांड कर रहे हैं. बता दें, हिंदुस्तान टाइम्स के मुताबिक हर्षवर्धन राणे आमतौर पर 1.5 करोड़ रुपए फीस लेते हैं. लेकिन सनम तेरी कसम के री-रिलीज के बाद उनकी पॉपुलैरिटी में गजब का उछाल आया।

बिग बॉस-19 में मनेगा महिला विश्व कप जीत का जश्न

भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान और तेज गेंदबाज रहीं झूलन गोस्वामी ने सोशल मीडिया पर 'बिग बॉस 19' के सेट से कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह मशहूर अभिनेता सलमान खान के साथ बातचीत करती नजर आईं। इनमें उनके साथ पूर्व क्रिकेटर अंजुम चोपड़ा को भी देखा जा सकता है। पूर्व महिला खिलाड़ी झूलन और अंजुम शनिवार को बिग बॉस के घर पहुंचीं और शो के होस्ट व सुपरस्टार सलमान खान से खास मुलाकात की। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें वायरल होने के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों भारतीय महिला टीम की ऐतिहासिक विश्व कप जीत का जश्न मनाने के लिए पहुंचीं हैं। झूलन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'यह महीना अब तक कई अविस्मरणीय रातों से भरा रहा है, और यह निश्चित रूप से उन रातों में से एक थी। बिग बॉस 19 के वीकएंड का वार में सलमान खान और अंजुम चोपड़ा के साथ मंच साझा करके बहुत अच्छा समय बिताया।'

दूरिहा दूरिहा ले लोगन आथे राजनांदगांव जिला के मोखला मड़ई

रोशन लाल

राजनांदगांव जिला ले लगे शिवनाथ नदी के सुग्घर तीर मा बसे मोखला गाँव के नाँव आज जम्मो छत्तीसगढ़ हा जानथे। कातिक पुन्नी मा शिवनाथ नदी के तीर मोहारा मड़ई के बड़ महत्तम अउ सोर हावय। ये मड़ई पहिली एके दिन भराय, फेर अब येकर आयोजन हा तीन दिन के होवत हावय। फेर एक बात ला धियान देय ला परही कि मोहारा मेला के एक दिन आघू बुढ़वा पुन्नी के दिन मोखला मा मड़ई भराथे। अतराब मा मोखला मड़ई के बड़ सोर हावय।

वनाथ नदी के तीर मा सुग्घर शिव मंदिर के स्थापना आज ले पैंसठ बछर पहिली सन उन्नीस सौ साठ मा कातिक शुक्ल पक्ष चतुर्दशी के दिन होय रिहिस। समे जुग काल के प्रभाव बदलाव अभू तभू दिखे ला मिल जाथे। पहिली के मनखे मन अपन कमई के दसवाँ हिस्सा ला तरिया, कुंआ, बावली बनाय बर, गरीब मनखे मन के मदद करे बर, दान पुन्न बर सदा अगुवाय राहँय। मोखला गाँव के अमृत गौटिया के सोर चारों मुड़ा बगरे रिहिस। आजादी के पहिली राज रजवाड़ा रिहिस त वो समे मा टँकर नेक दिली ला नांदगांव स्टेट के राजा घलो जानय। बेरा-बेरा मा अनाज के संगे-संग कांदा कुशा, घुड़साल बर खाना-दाना गौशाला बर कांदी अउ पैरा-भूसा भेजवाय जइसन सेवा मोखला के गौटिया डाहर ले बड़ मन लगा के होय। फेर काल हा बड़ सबल है। अईसन दयालु पुण्यात्मा गौटिया के निधन 1959 मा भरे जवानी मा होगे। संग संसों के करिया बादर हा जइसे गांव ल लीले बर जोम दे दे रिहिस। कहे जाथे जब कोनो मनखे इहलोक ले परलोक गमन करथे त अपन पाळू धन-दोगानी सुमत के बिजहा ले परिवार कुटुम्ब ल संभले बर जादा दिन नइ लागे। ठऊँका इहि बात अमृत गौटिया के भरे पूरे परिवार संग घटिस। सियानन मन कहे हे 'संग भल ता रंग भल' इंकर धर्मपत्नी गंगा बाई गौंटनिन घलो अपन गोसाईयाँ कस परमारथ भाव रखइया, सबके सुख-दुख मा संग देवईया रिहिस। देवता-धामी के मान गउन बर गंगा गौटनिन ल गांव अतराब के मनखे

मन जानय। फेर चिन्ता फिकर हा कोन ला नइ धरे हे? गौटनिन मने-मन गुने लगिस अतेक भलेमानुस पति के नाँव सदा-सदा अमर राहय तेकर बर काय करनी करम करना चाही? फेर शुभसंकल्प ल पूरा करे बर देवतन मन घलो साहित रहिथे। देव प्रेरणा ले गौटनिन सोंचे लगिस शिव मंदिर बनवा देतेंव ? अईसन काम मा गांव वाले मन घलो हांसी-खुशी जघा देइन। मंदिर छह महीना मा बनगे। जिंहा भगवान शिव के मूरति स्थापना 1960 मा बुढ़वा पुन्नी के दिन होईस। तिही दिन मुर्रा लाडू साग भाजी के

एक दू ठन पसरा ले मड़ई के शुरुआत होईस। हर बछर गौटनिन हा अपन गोसाईया के सुरता मा पूजा-पाठ अउ मड़ई करवाय त रात मा सांस्कृतिक कार्यक्रम नाचा पेखन करवाय बर कभू नइ पछुवाय। अपन जियत-जियत गांव के सियान मन ला सकेल के हर बछर के आयोजन बर दू एकड़ खेत ला आयोजन के नाँव कर दीस। रेगहा ले अवइया रूपिया ले पूजा-पाठ अठ मड़ई आयोजन बने सुलीन लगा के हो सकय? टँकर जम्मो परिवार संग ग्राम विकास समिति हा आयोजन मा बढ़-चढ़ के हिस्सा लेथें। दिनों-दिन मोखला मड़ई बढ़तेच जावत है। सईमों-सईमों करत भीड़ रहचुली-झूला, खेल खिलौना, आनी-बानी के दुकान सजे के पाछु जब गाँव के राउत संगवारी मन अपन साज सवांगा, बाजा गाजा, बैरग-मड़ई धरे नाचत गावत दोहा पारत शिव मंदिर के परिक्रमा करत मड़ई मा अपन पाँव थिरकावत निकलथे त देखनी हो जाथे।

पांडु कुल के शासन काल में कल्चुरीकालीन किले

डा. टी. आर. रामटेके

छत्तीसगढ़ में पांडु कुल के शासकों ने मुख्य रूप रूप से सिरपुर, खरौद, सिंघनगढ़, गढ़सिवनी को किले के रूप में प्रयोग किया, जिसका निर्माण पूर्ववर्ती काल में हुआ था। सिरपुर, खरौद, सिंघनगढ़ कल्चुरी काल में किले के रूप में प्रयोग हुए थे। पांडु कुल की राजधानी सिरपुर से दक्षिण दिशा में 10 कि मी की दूरी पर महानदी के तट पर गढ़सिवनी दुर्ग है, जो एक जल दुर्ग है। जिसकी मुख्य परिखा में महानदी के जल को भरने की व्यवस्था थी। मुख्य परिखा के बाहर की ओर 60 मी चौड़ी मिट्टी का प्राकार था। मुख्य परिखा 50 मी चौड़ी व उसकी लंबाई 800 मी थी। मुख्य प्राकार व परिखा के वर्तमान में सिर्फ वर्तमान में अवशेष प्राप्त होते हैं। मुख्य परिखा के अंदर की ओर दूसरा परकोटा था, जिसके वर्तमान में ऊंचे टीले के रूप में अवशेष उपलब्ध हैं। द्वितीय परकोटा के अंतर्गत द्वितीय परिखा थी, जिसके भीतर वर्गाकार प्रस्तर निर्मित गढ़ था। वर्तमान में इसके कुछ अवशेष उपलब्ध हैं। गढ़ सिवनी के सिंह द्वार पर प्रस्तर निर्मित सीढ़ियां हैं। इसी तरह द्वार भित्ति पर मूर्ति शिल्प के अलंकरण उपलब्ध हैं यही पर अहाते में बैठी वस्त्र विहीन नारी की मूर्ति मिली है, जिसे ग्राम वासी लज्जा गौरी के नाम से जानते हैं।

सत्रहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में छत्तीसगढ़ी साहित्य

दयाशंकर शुक्ल

छत्तीसगढ़ी साहित्य के समृद्ध इतिहास को देखें तो सत्रहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में उमराव बख्शी और प्रहलाद दुबे की अहम भूमिका मानी जाती है। कवि उमराव बख्शी खैरागढ़ के निवासी थे, उस काल में राजा फतेह सिंह शासन करते थे। आपने फतेह विलास, काव्य प्रबोध और जानकी मंगल की रचना की। आप छत्तीसगढ़ ही नहीं देश के सुप्रसिद्ध लेखक पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी के पूर्वज रहे हैं। सारंगढ़ निवासी प्रहलाद दुबे जय चंद्रिका के रचनाकार थे। आपने संबलपुर के महाराजा जैतसिंह के जीवन वृतांत पर 1838 में काव्य रचना की। इसी काल में छुईखदान में महंत लक्ष्मण दास का भी उल्लेख साहित्य के क्षेत्र में मिलता है। अविभाजित मध्यप्रदेश के मंडला जिले में कवि प्राणनाथ भी लेखन के लिए सक्रिय रहे। इसके बाद लेखन कर्म के वृद्धि के अनेक प्रमाण देखे जाते हैं, जिसके क्रम में लगातार वृद्धि दर्ज की गई।

कमार जनजातियों का सामाजिक संगठन

ए आर एन श्रीवास्तव

सा मान्यतः किसी भी जनजाति के सामाजिक संगठन को व्यवस्थित संचालन के लिए सात भागों में विभाजित किया जा सकता है, जिससे

समस्त संस्कार और किसी भी कार्य का अपना उचित परिणाम सब के लिए अच्छा हो सके। प्रत्येक इकाई एक छोटा, मध्यम अथवा वृहद क्षेत्र से जुड़ा होता है। छोटे या मध्यम प्रकार की इकाइयां एक गांव तक ही सीमित होती हैं अर्थात एक गांव स्थानीय समूह बन जाता है। सदस्यगण इन्हीं इकाइयों में अपनी दैनिक क्रियाएं संपन्न करते हैं। किन्तु कुछ मामलों में जैसे विवाह संबंध के लिए उन्हें स्थानीय समूह के बाहर यानि गांव के बाहर जाना पड़ता है। इसी संदर्भ में कमारों के जनजातीय स्तर पर निम्न क्षेत्रीय विभाजन देखने को मिलते हैं जिसमें नवागढ़िया, पहारपतिया, देवभोगिया, गरियाबंदिया, छुरा रजिया, खालसा रजिया, खरियार रजिया तथा कोमाखान रजिया। सामाजिक संगठन का केन्द्र बिन्दु परिवार है तथा इनमें अन्य इकाइयां स्थानीय तथा गौत्र समूह होते हैं। कमारों का परिवार पितृवंशीय और पितृनिवासी हैं।

अंचल में गर्भावस्था में सधौरी का रिवाज

डा. रमाकांत सोनी

छत्तीसगढ़ की कई जातियां सधौरी रिवाज का पालन करते हैं। इसे लड़की के मायके में प्रथम शिशु के आगमन की खुशी में गर्भ धारण के सातवें माह में मनाते हैं। गर्भावस्था के दौरान भावी संतान से हर कोई अपना नाता जोड़ कर आह्लादित रहता है। माता में मातृत्व का गौरव व कांतिपूर्ण चेहरा चमकने लगता है, तो पति में पिता बनने की पुलक। सास ससुर में दादा दादी बनने की ललक तो वंश परम्परा के आगे बढ़ने का अभिमान पूर्ण गौरव भी होता है। गर्भवती के पांचवें माह पूरा करते ही इस खुशी में ननिहाल और मायके को भी शामिल किया जाता है। इस माह में किसी भी तिथि का चयन

लड़की के ससुराल और मायका दोनों पक्षों की सहमति से किया जाता है, किन्तु दिन सोमवार का ही चयन किया जाता है। नियत तिथि में स्नान के बाद मेंहदी लगाकर गर्भवती महिला को बिठाकर उसके आंचल में लड्डु डालते हैं। यहां उपस्थित महिलाएं भी उपहारों से गर्भवती का झोला भरती हैं। यहां झोला का प्रतीक आंचल है, जिसे छत्तीसगढ़ में लोग ओली कहते हैं। सीमांतोनयन संस्कार के इस पर्व हेतु पंडित से इस शुभ कार्य हेतु मुहूर्त निकलवाते हैं, तत्पश्चात दोनों पक्षों के रिश्तेदारों को सूचना देने हेतु कुछ दिन पूर्व आमंत्रण हेतु लेवाल जाते हैं। गर्भवती के नौवें माह प्रारंभ होते ही घर में खुशियां दौड़ जाती है नए मेहमान के स्वागत में पूरा परिवार लग जाता है, इसी माह इस विशेष उत्सव की बारी आती है जिसे हम सधौरी कहते हैं।

साप्ताहिक शहरसत्ता

सुपरक्रॉस बाइक रेसिंग का रोमांच रायपुर में

रजत जयंती समारोह की श्रृंखला में युवाओं के जोश और ऊर्जा का शानदार प्रदर्शन

- **CM साय ने बढ़ाया युवाओं का हौसला**
- **जीवन अनमोल है - हेलमेट पहनें, जिम्मेदार बनें : मुख्यमंत्री साय**

रायपुर। राजधानी रायपुर के बूढ़ापारा आउटडोर स्टेडियम में आज रोमांच, ऊर्जा और साहस से भरपूर राष्ट्रीय सुपरक्रॉस बाइक रेसिंग चैंपियनशिप-2025 का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन खेल युवा शक्ति, अनुशासन, साहस और जिम्मेदारी का उत्सव है। देशभर से आए 100 से अधिक प्रोफेशनल राइडर्स और हजारों दर्शकों की उपस्थिति ने इसे राष्ट्रीय स्तर का आकर्षण बना दिया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जैसे रजत जयंती महोत्सव के दौरान एयरोबेटिक शो ने आसमान में देशभक्ति का जोश जगाया, वैसे ही यह सुपरक्रॉस चैंपियनशिप ज़मीन पर युवाओं के जुनून को नई उड़ान दे रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह सिर्फ एक रेस नहीं, बल्कि अनुशासन, जिम्मेदारी और सुरक्षा का पाठ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन अनमोल है, इसलिए हमेशा हेलमेट पहनें, ट्रैफिक नियमों का पालन करें और जिम्मेदार नागरिक बनें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार खेल अधोसंरचना, स्पोर्ट्स टूरिज़्म और मोटर स्पोर्ट्स जैसे नए क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास कर रही है। छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित यह चैंपियनशिप राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिला रही है और युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोल रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि वे सुरक्षित रेस करें, अपने कौशल का प्रदर्शन करें और दर्शक जिम्मेदारी के साथ इस खेल का आनंद लें। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष उज्ज्वल दीपक, अन्य जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में दर्शकगण उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)।